www.deshkiupasana.com

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

RNI NO - UPHIN/2022/86937

जौनपुर से प्रकाशित

देश की उपासना

देश के विकास में समर्पित समाज के सभी वर्गों के लिए

DKU LIVE

सब पर नज़र, सबकी ख़बर

वर्ष – 04 | अंक – 142 | जौनपुर मंगलवार, 06 जनवरी 2026 | सान्ध्य दैनिक (संस्करण) | पेज – 4 | मूल्य – 2 रूपये

संक्षिप्त खबरें

सीएम हिमंता ने शुरू किया भाजपा का वॉल पेंटिंग अभियान

असम, (एजेंसी)। असम के मुख्यमंत्री हिमंता बिस्वा सरमा ने सोमवार को 2026 के असम विधानसभा चुनावों से पहले पार्टी के दीवार चित्रकला अभियान का शुभारंभ किया। सरमा ने एएनआई से कहा कि हम इस दीवार चित्रकला अभियान को निर्धारित समय के भीतर पूरा कर लेंगे। असम में भाजपा की स्थिति बहुत मजबूत हैय हमारे पास लगभग 50 प्रतिशत विधानसभा सीटों के लिए उम्मीदवार हैं... यदि हमारे पार्टी नेतृत्व ने हमें 50 सीटों के लिए उम्मीदवारों की सूची जारी करने के लिए कहा, तो हम आज शाम तक ऐसा कर सकते हैं। हम किसी भी उम्मीदवार से आवेदन नहीं लेंगे। जनता, हमारे कार्यकर्ता नाम सुझाएंगे, और हम 25,000 रुपये या 50,000 रुपये का कोई शुल्क नहीं ले रहे हैं। पहले, कांग्रेस 3 करोड़ रुपये से 5 करोड़ रुपये तक की रकम वसूल रही है। यह प्रक्रिया 22–23 सीटों पर चल रही है। कांग्रेस पर निशाना साधते हुए सरमा ने आरोप लगाया कि विपक्षी पार्टी टिकट के इच्छुक उम्मीदवारों से बड़ी रकम वसूल रही है। उन्होंने दावा किया कि उम्मीदवारी के लिए 3 करोड़ से 5 करोड़ रुपये तक की रकम वसूल रही है। यह प्रक्रिया 22–23 सीटों पर चल रही है। भूमि अतिक्रमण के मुद्दों का जिक्र करते हुए सरमा ने कहा कि तेजपुर में लगभग 5,000 बीघा अतिक्रमित भूमि पर सोमवार को अतिक्रमण हटाने का अभियान चलाया जाएगा।

जनता के आशीर्वाद से देवराज उर्स का रिकॉर्ड टूटेगा

कर्नाटक, (एजेंसी)। कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया ने सोमवार को कहा कि जनता के आशीर्वाद से पूर्व मुख्यमंत्री देवराज उर्स का रिकॉर्ड टूट जाएगा, और उन्होंने जोर देकर कहा कि समय के साथ राजनीतिक रिकॉर्ड टूटते ही रहते हैं। मैसूरु में पत्रकारों को संबोधित करते हुए सिद्धारमैया ने कहा कि देवराज उर्स मैसूरु जिले के निवासी थे, और वे भी वहीं के हैं। उन्होंने कहा जनता के आशीर्वाद से उनका रिकॉर्ड टूट जाएगा। मेरी और मेरी कोई तुलना नहीं है। तब हालात अलग थे और अब अलग हैं। परिस्थितियां मुझे यहां तक घ्घ्लाई हैं।1983 के विधानसभा चुनावों को याद करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि लोगों ने धन और वोट देकर उनका समर्थन किया था, जबकि देवराज उर्स एक अलग राजनीतिक दौर में मुख्यमंत्री बने थे। रिकॉर्ड तो टूटने के लिए ही होते हैं। भविष्य में कोई भी उन्हें तोड़ सकता है। क्रिकेट में सचिन तेंदुलकर का रिकॉर्ड विराट कोहली ने तोड़ा था। इसी तरह, भविष्य में कोई ऐसा व्यक्ति आ सकता है जो मुझसे अधिक समय तक मुख्यमंत्री रहे और मुझसे अधिक बजट पेश करे। प्रस्तावित उपकरण सम्मेलन में सिद्धारमैया ने कहा कि अभी कोई अंतिम निर्णय नहीं लिया गया है और बताया कि कृष्णा भैरेगौड़ा ने कहा है कि वे कार्यक्रम का आयोजन करेंगे। कैबिनेट में फेरबदल की संभावना पर टिप्पणी करते हुए।

जवाहरलाल नेहरू सोमनाथ मंदिर के पुनर्निर्माण के पक्ष में नहीं थे : पीएम मोदी

नई दिल्ली, (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोमवार को एक पुराने प्रसंग को याद किया। उन्होंने बताया कि देश के पहले प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू सोमनाथ मंदिर के पुनर्निर्माण के पक्ष में नहीं थे। उनका मानना था कि सरकार और बड़े संवैधानिक पदों पर बैठे लोगों को इस काम से नहीं जुड़ना चाहिए। अपने ब्लॉग में प्रधानमंत्री मोदी ने लिखा कि स्वतंत्रता के बाद सोमनाथ मंदिर के पुनर्निर्माण की जिम्मेदारी सरदार वल्लभभाई पटेल पर आई। यह वही मंदिर है, जिस पर साल 1026 में आक्रमण हुआ था। उन्होंने बताया कि दीपावली 1947 में सरदार पटेल जब सोमनाथ पहुंचे, तो वहां की स्थिति देखकर वे बहुत भावुक हो गए। इसी यात्रा के बाद उसी स्थान पर मंदिर को दोबारा बनाने का फैसला हुआ। प्रधानमंत्री मोदी ने लिखा कि 11 मई 1951 को सोमनाथ मंदिर भक्तों के लिए खोला गया। उस समय देश के राष्ट्रपति डॉ. राजेंद्र प्रसाद इस ऐतिहासिक अवसर पर मौजूद थे। प्रधानमंत्री मोदी के अनुसार, पंडित जवाहरलाल नेहरू चाहते थे कि सरकार आधिकारिक रूप से इस मंदिर के पुनर्निर्माण से न जुड़े। वे राष्ट्रपति और मंत्रियों की मौजूदगी के भी पक्ष में नहीं थे। नेहरू का मानना था कि इससे भारत की छवि पर गलत असर पड़ेगा। हालांकि, राष्ट्रपति डॉ. राजेंद्र प्रसाद अपने फैसले पर अडिग रहे और समारोह में शामिल हुए। प्रधानमंत्री मोदी ने लिखा कि दुर्भाग्य से सरदार पटेल इस ऐतिहासिक दिन को देखने के लिए जीवित नहीं थे, लेकिन उनका सपना देश के सामने साकार होकर खड़ा था। उन्होंने लिखा, ष्तत्कालीन प्रधानमंत्री पंडित जवाहरलाल नेहरू इस घटना से अधिक उत्साहित नहीं थे। वे नहीं चाहते थे कि माननीय राष्ट्रपति और मंत्री इस समारोह का हिस्सा बनें। उन्होंने कहा कि इस घटना से भारत की छवि खराब होगी। लेकिन राजेंद्र बाबू अडिग रहे, और फिर जो हुआ, उसने एक नया इतिहास रच दिया।

भारत अब बाहरी तत्वों पर निर्भर नहीं : रक्षा मंत्री

नई दिल्ली, (एजेंसी)। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह रविवार (04 जनवरी) को गोवा पहुंचे, जहां चिकालिम में गोवा शिपयार्ड के एक कार्यक्रम को संबोधित किया। इस दौरान सिंह ने कहा कि आज का सुरक्षा वातावरण पहले से कहीं अधिक जटिल हो गया है। समुद्री क्षेत्र में देखेंगे कि पारंपरिक खतरों के साथ–साथ गैर–पारंपरिक खतरे भी लगातार बढ़ रहे हैं। समुद्र में मादक पदार्थों की तस्करी, अवैध मछली पकड़ना, मानव तस्करी, पर्यावरण अपराध और संदिग्ध क्षेत्र जैसी चुनौतियां मौजूद हैं। जाहिर है, ऐसे समय में शिपयार्ड की भूमिका और भी महत्वपूर्ण हो जाती है और मुझे यह देखकर खुशी हो रही है कि गोवा शिपयार्ड लिमिटेड ने बदलते समय के साथ खुद को रूपांतरित किया है। उन्होंने अपने संबोधन में आगे कहा कि मैं आप सभी को इसके लिए बधाई देता हूं। आपने क्षमताएं विकसित की हैं। आपने प्रौद्योगिकी को अपनाया है। इन सभी प्रयासों का परिणाम यह है कि हम न केवल अपने सशस्त्र बलों को समय पर उपकरण उपलब्ध कराने में सक्षम हुए हैं, बल्कि हमने आत्मनिर्भर भारत की दिशा में भी ठोस कदम उठाए हैं। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा, श्इस बदलते दौर में भारत जैसा राष्ट्र अपनी सुरक्षा के लिए बाहरी तत्वों पर निर्भर नहीं रह सकता। आज के युग में रक्षा क्षेत्र में आत्मनिर्भरता विलासिता नहीं, बल्कि एक रणनीतिक आवश्यकता है, और गोवा शिपयार्ड लिमिटेड जैसी संस्थाएं इस आवश्यकता को वास्तविकता में बदल रही हैं, और मुझे विश्वास है कि वे भविष्य में भी ऐसा करना जारी रखेंगी। उन्होंने आगे कहा कि आपकी (गोवा शिपयार्ड लिमिटेड) मेहनत भारत को मजबूत, संप्रभु और आत्मनिर्भर बनाती है। भारत एक सक्रिय समुद्री राष्ट्र बन रहा है।

पीएम मोदी ने भाजपा के पूर्व नेता मुरली मनोहर जोशी को दी जन्मदिन की बधाई

नई दिल्ली, (एजेंसी)। भाजपा नेता और पूर्व केंद्रीय मंत्री मुरली मनोहर जोशी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ कई भाजपा ने जन्मदिन की बधाई दी। आज मुरली मनोहर जोशी आपना 91वें जन्मदिन मना रहे हैं। पीएम मोदी ने उन्हें बधाई देते हुए कहा सेवा के प्रति उनकी आजीवन प्रतिबद्धता, खासकर शिक्षा, संस्कृति और भारत के सभ्यतागत मूल्यों को लोकप्रिय बनाने ने सार्वजनिक जीवन को बहुत समृद्ध किया है। पूर्व राष्ट्रपति राम नाथ कोविंद और बीजेपी के राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष नितिन नवीन ने दिल्ली मेंमुरली मनोहर जोशी से मुलाकात करके उन्हें जन्मदिन की बधाई दी। मोदी ने श्श पर एक पोस्ट में कहा, ष्आदरणीय राजनेता, महान बुद्धिजीवी और पक्के राष्ट्रवादी डॉ. मुरली मनोहर जोशी जी को जन्मदिन की बधाई। सेवा के प्रति उनकी आजीवन प्रतिबद्धता, खासकर शिक्षा, संस्कृति और भारत के सभ्यतागत मूल्यों को लोकप्रिय बनाने ने सार्वजनिक जीवन को बहुत समृद्ध किया है। ईश्वर उन्हें लंबी और स्वस्थ उम्र दे। मुरली मनोहर जोशी आज 91 साल के हो चुके हैं। वह भाजपा अध्यक्ष और कई बार संसद सदस्य रह चुके हैं। जोशी को

सुशासन और राष्ट्रवादी मिशन के लिये याद किया जाएगा कल्याण सिंह का कार्यकाल : योगी आदित्यनाथ

लखनऊ, (संवाददाता)। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने पूर्व मुख्यमंत्री कल्याण सिंह को उनकी जयंती पर याद करते हुए सोमवार को कहा कि राम भक्तों और संतों की भावनाओं का सम्मान करते हुए अपनी सत्ता का बलिदान करने वाले सिंह का कार्यकाल सुशासन, विकास और राष्ट्रवादी मिशन को आगे बढ़ाने के लिए हमेशा जाना जाएगा। आदित्यनाथ ने पूर्व मुख्यमंत्री कल्याण सिंह की 94वीं जयंती के अवसर पर यहां आयोजित श्रद्धांजलि कार्यक्रम में कहा कि जब उनकी सत्ता को अस्थिर करने की कोशिश की गयी और राम जन्मभूमि आंदोलन चरम की ओर बढ़ा तो सिंह ने राम भक्तों और संतों की भावनाओं का सम्मान करते हुए प्रभु श्री राम के प्रति अपनी सत्ता का बलिदान देने में कोई संकोच नहीं किया। उन्होंने कहा, उनकी सरकार गयी, लेकिन गुलामी के ढांचे को हटाने के जिस प्रण के साथ राम भक्त आगे बढ़े थे, उन्होंने (कल्याण सिंह ने) सारी जिम्मेदारी अपने ऊपर लेकर भगवान राम के प्रति, अपने कर्तव्यों का निर्वहन में तनिक भी देर नहीं लगायी। मुख्यमंत्री ने कहा कि कल्याण सिंह उत्तर प्रदेश में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के पहले मुख्यमंत्री थे। वर्ष 1991 में जब उन्होंने उत्तर प्रदेश की बागडोर संभाली थी तब यहां अव्यवस्था, अराजकता और गुंडागर्दी थी। आतंकवादी गतिविधियां सिर उठा रही थीं। शासन की योजनाओं का लाभ गांव और गरीबों को, किसानों, नौजवानों और महिलाओं को नहीं मिल रहा था। एक ओर अराजकता और कुव्यवस्था थी वहीं, दूसरी ओर 500 वर्षों की गुलामी को दूर करने के लिए हिंदू समाज छटपटा रहा था। उन स्थितियों में बाबूजी (कल्याण सिंह) ने उत्तर प्रदेश की कमान अपने हाथों में ली। उन्होंने कहा कि कल्याण सिंह ने मुख्यमंत्री के रूप में जब कार्य शुरू किया।

ऑपरेशन सिंदूर व आपदा राहत अभियानों में एनसीसी कैडेट्स की सेवा सराहनीय : उपराष्ट्रपति

नई दिल्ली, (एजेंसी)। उपराष्ट्रपति सी. पी. राधाकृष्णन ने ऑपरेशन सिंदूर तथा विभिन्न आपदा राहत अभियानों में एनसीसी कैडेट्स की सराहनीय सेवाओं का उल्लेख किया। उपराष्ट्रपति सोमवार को नई दिल्ली में एनसीसी के रिपब्लिक डे कैंप 2026 में पहुंचे थे। यहां उन्होंने एनसीसी कैडेट्स को संबोधित किया। इसी दौरान उन्होंने ऑपरेशन सिंदूर व विभिन्न आपदा राहत अभियानों में एनसीसी कैडेट्स की सराहनीय सेवाओं का जिक्र किया। उपराष्ट्रपति ने कहा कि एनसीसी शिविर केवल प्रशिक्षण का केंद्र नहीं, बल्कि भारत की विविधता में एकता, संवैधानिक मूल्यों और भविष्य के नेतृत्व की झलक प्रस्तुत करता है। उपराष्ट्रपति सी. पी. राधाकृष्णन बतौर मुख्य अतिथि नई दिल्ली में आयोजित एनसीसी रिपब्लिक डे कैंप के उद्घाटन कार्यक्रम में शामिल हुए।इस अवसर पर उन्होंने देश के निर्माण में एनसीसी की अहम भूमिका की सराहना करते हुए कहा कि एनसीसी का ध्येय वाक्य "एकता और अनुशासन" देश के युवाओं को आत्मविश्वासी, जिम्मेदार और सेवा–भावी नागरिक बनाने में लगातार महत्वपूर्ण योगदान दे रहा है। उन्होंने कहा कि यही युवा विकसित भारत 2047 की नींव हैं। कार्यक्रम की शुरुआत में उपराष्ट्रपति का कैंप पहुंचने पर एनसीसी कैडेट्स द्वारा गार्ड ऑफ ऑनर से स्वागत किया गया। इसके बाद उपराष्ट्रपति ने हॉल ऑफ फेम का दौरा किया। हॉल ऑफ फेम में उन्हें एनसीसी की गौरवपूर्ण विरासत, उपलब्धियों और विकास यात्रा के बारे में विस्तृत जानकारी दी गई। उपराष्ट्रपति ने यहां विभिन्न प्रदर्शनी स्टॉल्स का भी निरीक्षण किया। इन प्रदर्शनी स्टॉल्स में युवा आपदा मित्र योजना, ड्रोन प्रशिक्षण, और नई प्रौद्योगिकियों के उपयोग से जुड़ी पहल शामिल रहीं। उपराष्ट्रपति ने इस अवसर पर आपदा प्रबंधन की तैयारी और उभरती तकनीकों को अपनाने में एनसीसी की भूमिका की प्रशंसा की। यहां आयोजित सांस्कृतिक कार्यक्रम में कैडेट्स ने विविध राज्यों की कला–संस्कृति को भी प्रस्तुत किया।

भाजपा के मिशन सिंदूर को धार, मंत्री अमित ने तमिलनाडु में किया 2026 का शंखनाद

तमिलनाडु , (एजेंसी)। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने सोमवार को तमिलनाडु के तिरुचिरापल्ली में पोंगल उत्सव में भाग लिया। भाजपा ने पोंगल उत्सव के दौरान एक राजनीतिक–सांस्कृतिक कार्यक्रम शुरू किया है, जिसे नम्मा ऊरु मोदी पोंगल नाम दिया गया है। इस पहल के तहत, भाजपा कार्यकर्ता और समर्थक स्थानीय (ऊरु) स्तर पर पोंगल मनाते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की नीतियों, कल्याणकारी योजनाओं और नेतृत्व को उजागर करते हैं। पोंगल, दुनिया भर में तमिलों के लिए सबसे महत्वपूर्ण त्योहारों में से एक है, जो प्रकृति, सूर्य, खेत के जानवरों और किसानों के प्रति कृतज्ञता का प्रतीक है। इसे पारंपरिक रूप से पारिवारिक त्योहार के रूप में मनाया जाता है, जो समृद्धि, कृतज्ञता और एकजुटता का प्रतीक है। उत्सव को सुगम बनाने के लिए, तमिलनाडु सरकार ने पहले सभी पात्र लाभार्थियों के लिए एक किलोग्राम कच्चा चावल, एक किलोग्राम चीनी और एक गन्ने की बेल वाला पोंगल उपहार पैकेज घोषित किया था। केंद्रीय गृह मंत्री रविवार को दो दिवसीय दौरे पर तमिलनाडु पहुंचे और तमिलनाडु भाजपा अध्यक्ष नैनार नागेंद्रन के नेतृत्व में आयोजित तमिलगम थलाई निमिरा तमिलनिन पयानम अभियान यात्रा के समापन समारोह में शामिल हुए। इससे पहले रविवार को, राज्य भाजपा अध्यक्ष नैनार नागेंद्रन की मैराथन यात्रा के समापन समारोह में एक विशाल जनसभा को संबोधित करते हुए शाह ने घोषणा की, अप्रैल 2026 में तमिलनाडु में एनडीए सरकार बनेगी। हाल के वर्षों में मिली चुनावी जीत का जिक्र करते हुए ।

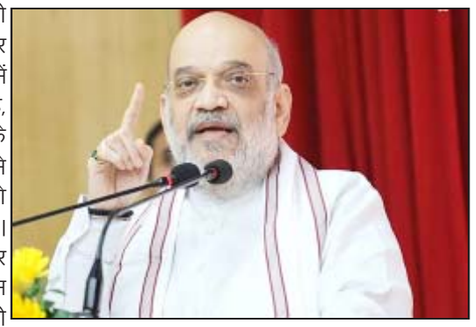

आरएसएस मोहन भगवत ने बताया असली कारण, भोपाल से दिया संदेश

नई दिल्ली, (एजेंसी)। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के प्रमुख मोहन भगवत ने बुधवार को कहा कि परिवारों के बीच संवाद की कमी ही उनके द्वारा लव जिहाद कहे जाने वाले मामलों का मुख्य कारण है, और उन्होंने जोर देकर कहा कि इसे रोकने के प्रयास घर से ही शुरू होने चाहिए। भोपाल में स्त्री शक्ति संवाद कार्यक्रम को संबोधित करते हुए भगवत ने माता–पिता से आत्मनिरीक्षण करने का आग्रह किया कि एक लड़की किसी अजनबी से कैसे प्रभावित हो सकती है और परिवारों के भीतर संवाद और नैतिक मूल्यों के महत्व पर बल दिया। महिलाओं की भूमिका पर प्रकाश डालते हुए भगवत ने कहा कि बच्चे के नैतिक मूल्य पहले 12 वर्षों तक घर में ही आकार लेते हैं, जिसमें माँ की भूमिका सबसे अहम होती है। उन्होंने इस बात पर बल दिया कि पुरुषों और महिलाओं के बीच समानता अनिवार्य है और कहा कि अस्थिरता और पिछले हमलों के कारण ऐतिहासिक रूप से महिलाओं पर प्रतिबंध लगाए गए थे, लेकिन अब परिस्थितियाँ बदल गई हैं। भगवत ने आगे कहा कि लव जिहाद को रोकने के लिए सामाजिक स्थिरता सुनिश्चित करने हेतु तीन स्तरों पर प्रयास आवश्यक हैं। इन टिप्पणियों पर तीखी राजनीतिक प्रतिक्रियाएं आईं। एआईएमआईएम प्रमुख असदुद्दीन ओवैसी ने भगवत के बयान के आधार पर सवाल उठाते हुए कहा कि वयस्कों को अपने फैसले लेने का कानूनी अधिकार है।

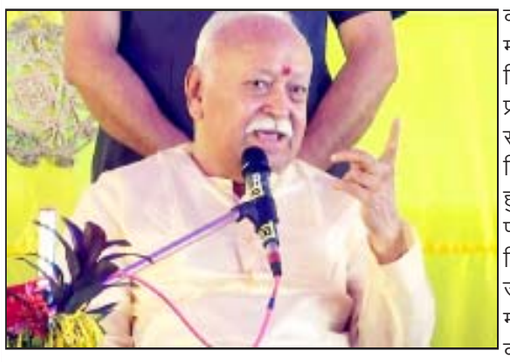

पुणे के विकास को लेकर उप मुख्यमंत्री अजित पवार ने उठाए सवाल

पुणे, (एजेंसी)। महाराष्ट्र के पुणे में विकास की रफ्तार को लेकर कई सारे सवाल खड़े हो रहे हैं। ऐसे में अब महाराष्ट्र के उप मुख्यमंत्री अजित पवार ने इस मामले में प्रतिक्रिया दी है। रविवार को उन्होंने कहा कि केंद्र और राज्य सरकार ने शहर के लिए भारी फंड दिया, लेकिन स्थानीय नेतृत्व ने इसका सही इस्तेमाल नहीं किया। पवार ने शहर में पानी की कमी, कूड़ा, खराब सड़कें और कानून–व्यवस्था जैसी समस्याओं पर चिंता जताई। साथ दी शहर में बदलाव की आवश्यकता बताई। पवार ने ये बातें पुणे के बानेर इलाके में एक रैली के दौरान कही, जो पुणे नगर निगम चुनाव से पहले आयोजित की गई थी। उन्होंने इसे शहर के विकास में कमी का कारण बताया। इस दौरान पवार ने कहा कि शहर में पानी की कमी, कूड़ा–कचरा, खराब सड़कें, ट्रैफिक जाम और कानून व्यवस्था की बिगड़ती स्थिति जैसी समस्याएं हैं। उनका कहना था कि इन समस्याओं को सुलझाने की राजनीतिक इच्छा नहीं दिखाई दे रही। पवार ने आगे कहा कि हम चाहते हैं कि शहर में कानून–व्यवस्था को सही रखा जाए। केंद्र और राज्य में हम महाराष्ट्र महायुति में हैं, लेकिन पुणे और पिंपरी–चिंचवड़ की स्थिति अलग है। इसके लिए नगर निगम के अधिकारी जिम्मेदार हैं। अजित पवार ने यह भी कहा कि वह पुणे के गार्डियन मिनिस्टर के रूप में अपनी जिम्मेदारी निभा रहे हैं, लेकिन नगर निगम के पास अलग अधिकार हैं। उन्होंने जोर देकर कहा कि पैसा केंद्र और राज्य से आया है, लेकिन स्थानीय अधिकारी उसका सही इस्तेमाल नहीं कर पाए। महाराष्ट्र के उप मुख्यमंत्री ने आगे लोगों से अपील की है कि बाहरी लोग आते हैं और चले जाते हैं, लेकिन अपने लोगों को पहचानो और अपने लोगों के साथ खड़े रहो। उन्होंने कहा कि पुणे की नेतृत्व क्षमता कमजोर है, जबकि केंद्र और राज्य की नेतृत्व क्षमता मजबूत है। गौरतलब है कि पवार के ये बयान उनके अपने ही सहयोगी भाजपा के नेताओं को नागवार गुजरे हैं। जब शुक्रवार और शनिवार को उन्होंने प्रेस कॉन्फ्रेंस में पुणे और पिंपरी–चिंचवड़ में भ्रष्टाचार और अनियमितताओं का आरोप लगाया। इस पर महाराष्ट्र भाजपा के प्रमुख रविंद्र चव्हाण ने कहा कि अगर भाजपा भी आरोप लगाएगी, तो यह पवार के लिए मुश्किलें खड़ी कर सकता है।उन्होंने पवार को सलाह दी कि आरोप लगाने से पहले स्वयं की जांच और आत्मनिरीक्षण करें। दूसरी ओर महाराष्ट्र के मंत्री और वरिष्ठ भाजपा नेता चंद्रशेखर बावनकुले ने भी पवार से कहा कि नगर निगम चुनाव के दौरान सहयोगियों पर हमला न करें।

संपादकीय

नाकामियों ने उपजी हताशा

कांग्रेस की मुश्किल यह है कि गुजरे 12 साल में वह नरेंद्र मोदी के उछाले मुद्दों पर प्रतिक्रिया जताने से आगे का कोई कार्यक्रम तय नहीं कर पाई है। उधर बार–बार चुनावी हार से संगठन में हताशा गहरा गई है। दिग्विजय सिंह ने कांग्रेस की संगठन संबंधी मूलभूत समस्या की ओर इशारा किया, लेकिन इसके लिए उन्होंने संभवतरू अनुचित प्रतीक चुना। जिस दल (भाजपा) या संगठन (आरएसएस) को कांग्रेस अपना वैचारिक विरोधी मानती हो, उसकी खूबी का सार्वजनिक बखान करना पार्टी में हलचल को आमंत्रित करना ही था। बहरहाल, वरिष्ठ कांग्रेस नेता शशि थरूर यही काम साल भर से ज्यादा समय से कर रहे हैं। एक मौके पर तो वे यह कह गए कि भारत का सौभाग्य है कि नरेंद्र मोदी देश के प्रधानमंत्री हैं, जिन्होंने यूक्रेन युद्ध पर तटस्थता की नीति अपना कर देश हित की रक्षा कर ली। इसके बावजूद कांग्रेस ने उन्हें बदार्श्त कर रखा है। जब कभी ये सवाल पार्टी प्रवक्ताओं के सामने आया, तो उनकी दलील थी कि कांग्रेस के अंदर लोकतंत्र है, जहां असहमति जताने की आजादी है। अब यह लोकतंत्र है या अराजकता– इस सवाल को खुद पार्टी नेतृत्व के लिए छोड़ दिया जाए, तब भी यह मूलभूत प्रश्न रह जाता है कि क्या ऐसे भटकाव से ग्रस्त दल कोई सार्थक विकल्प प्रदान कर सकता है? कांग्रेस की मुश्किल यह है कि 12 साल से विपक्ष में रहने के बावजूद वह नरेंद्र मोदी और भाजपा के उछाले मुद्दों पर प्रतिक्रिया जताने से आगे का कोई एजेंडा या कार्यक्रम तय नहीं कर पाई है। उधर बार–बार चुनावी हार से संगठन में हताशा गहराती चली गई है। संगठन में विभ्रम का हाल यह है कि कर्नाटक में नेतृत्व परिवर्तन के प्रश्न पर पार्टी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे कहते सुने गए कि इस बारे में श्आलाकमान फैसला लेगाच्। इस तरह उन्होंने साफ किया है कि वे श्आलाकमानच्च नहीं हैं। उनके अध्यक्ष होने के बावजूद यह हैसियत गांधी परिवार के सदस्यों की ही है। आज इस परिवार के सबसे अग्रणी चेहरा राहुल गांधी हैं, जिन्होंने भविष्य का सपना जगाने के बजाय जातीय पहचान की पुरानी पड़ चुकी राजनीति से पार्टी के पुनरुथ्थान की आस जोड़ी और जब इसमें कामयाबी नहीं मिली, तो वोट चोरी के कथानक में सिमट गए हैं। इन हालात में हताश नेताओं को प्रतिद्वंद्वी पार्टी में गुण नजर आने लगे हैं, तो उसमें कोई अचरज नहीं है।

संघ और भाजपा में संबंध

एस. सुनील

सभी बातों की बारीकियों को समझे बगैर न तो आरएसएस को समझा जा सकता है, न भारतीय जनता पार्टी को समझा जा सकता है और न दोनों संगठनों के संबंधों को समझा जा सकता है। बहुत अच्छा संयोग है जो संघ प्रमुख ने भी अपने व्याख्यानों से भ्रांतियों को दूर करने का प्रयास किया है तो संगठन महामंत्री बीएल संतोष ने भी समस्त भ्रांतियों को दूर किया है। आशा है कि इससे आरएसएस और भाजपा को समझने की दृष्टि स्पष्ट होगी। राष्ट्रीय स्वंयसेवक संघ यानी आरएसएस की स्थापना के एक सौ वर्ष पूरे हुए हैं। यह अवसर इस सांस्कृतिक और राष्ट्रवादी संगठन के विचारों के प्रसार के साथ साथ इसके बारे में बनी अनेक प्रकार की भ्रांतियों को दूर करने का भी है। मोहन भागवत स्वंय देश के अलग अलग क्षेत्रों में एक व्याख्यान शृंखला के तहत संघ के उद्देश्यों से लेकर इसके कार्य करने की तरीके और भारतीय जनता पार्टी के साथ इसके संबंधों के बारे में बनी भ्रांतियों को दूर कर रहे हैं। उन्होंने बहुत स्पष्ट शब्दों में कहा है कि आरएसएस को भाजपा की दृष्टि से देखने वाले प्रायरू गलती कर जाते हैं। ने कहा है कि आरएसएस कोई पैरामिलिट्री फोर्स नहीं है और इसका उद्देश्य किसी का विरोध करना या किसी से लड़ना नहीं है। आरएसएस राष्ट्र निर्माण और लोगों को जोड़ने का काम करता है। इसी बात को एक व्यापक दृष्टि के साथ भाजपा के संगठन महामंत्री बीएल संतोष ने देश के सामने प्रस्तुत किया है। आरएसएस के मुखपत्र श्पांचजन्यच्च को दिए एक साक्षात्कार में उन्होंने भाजपा के कामकाज के तौर तरीके, निर्णय प्रक्रिया, नेतृत्व की भूमिका, संगठन के विस्तार, संगठन व सरकार के साथ समन्वय और राष्ट्रीय स्वंयसेवक संघ के साथ संबंधों की व्याख्या की है। यह उनका संभवतरू पहला विस्तृत साक्षात्कार है। उन्होंने जिस स्पष्टवादिता के साथ सभी प्रश्नों के उत्तर दिए हैं वह समकालीन राजनीति में एक दुर्लभ गुण है। यह साक्षात्कार कई दृष्टि से बहुत महत्वपूर्ण है क्योंकि इससे कई प्रश्नों के उत्तर मिलते हैं और संघ व भाजपा की दूरदृष्टि दिखाई देती है। उदाहरण के तौर पर देश के लोग जानना चाहते हैं कि राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष के तौर पर नितिन नबीन का चयन कैसे हुआ। बीएल संतोष से पूछा गया कि भाजपा अपने निर्णयों से अब तक देश को चौंकाती रहती थी क्या अब वह स्वंय को चौंका रही है? उन्होंने एक बहुत ही अच्छे रूपक के साथ इस प्रश्न का उत्तर दिया। उन्होंने कहा कि किसी परिवार में कन्या के विवाह के लिए वर का नाम जब लोगों को बताया जाता है तभी पता चलता है कि कन्या का विवाह किसके साथ होना निर्धारित हुआ है। परंतु इसका यह अर्थ नहीं है कि वर का चयन उसी समय हुआ हो। चयन की प्रक्रिया चल रही होती है और जिस दिन नाम बताया जाता है उस दिन सबको पता चलता है। इसको चौंकाना नहीं कहते हैं। ऐसे ही राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष के चयन की प्रक्रिया है। उन्होंने बताया कि सात से आठ महीने पहले इस पर विचार मंथन की प्रक्रिया शुरू हुई। असल में भाजपा के अंदर संगठन के चुनाव की व्यापक प्रक्रिया है। पहले जिला और प्रदेशों में चुनाव होते हैं और उसके बाद राष्ट्रीय अध्यक्ष का चुनाव होता है। इसी प्रक्रिया के तहत नितिन नबीन का चयन हुआ। परंतु यह नहीं समझना चाहिए कि जिस दिन उनके नाम की घोषणा हुई उसी दिन उनका नाम तय हुआ या उसी दिन उनका चयन हुआ। ध्यान रहे जेपी नड्डा का कार्यकाल 2023 में समाप्त हो रहा था परंतु उस वर्ष कई राज्यों के चुनाव थे और अगले साल लोकसभा का चुनाव होना था इसलिए उनको कार्यकाल का विस्तार दिया गया। फिर एक के बाद एक चुनावों की वजह से उनका कार्यकाल बढ़ता गया। पिछले वर्ष दिल्ली विधानसभा का चुनाव संपन्न होने के कुछ समय बाद चुनावों की प्रक्रिया शुरू हुई और लंबे विचार विमर्श के बाद नितिन नबीन का नाम तय हुआ। संगठन चुनाव की प्रक्रिया समझाने के बाद उन्होंने बहुत ही विस्तार से संघ और भाजपा के संबंधों की व्याख्या की। उन्होंने कहा कि भाजपा अपने विस्तार में, अपनी निर्णय प्रक्रिया में और अपने कामकाज में अनेक शुभचिंतकों से विचार विमर्श करती है और उनकी सलाह लेती है। आरएसएस उसके सबसे बड़े शुभचिंतकों का समूह है। इसके बाद उन्होंने दोनों के संबंधों की व्याख्या करने के लिए जो रूपक गढ़ा वह अद्भुत है। उन्होंने कहा कि आरएसएस तो भाजपा का मायका है। मायका यानी मां का घर है। इस एक वाक्य से उम्मीद करनी चाहिए कि तमाम भ्रांतियां दूर होंगी और सभी प्रश्नों के उत्तर मिलेंगे। आरएसएस की कोख से भाजपा का जन्म हुआ है तो वहां की सलाह ली ही जाएगी। परंतु इसी जगह पर उन्होंने स्पष्ट कर दिया कि भाजपा अपनी निर्णय प्रक्रिया के लिए स्वतंत्र है। आरएसएस एक प्रेरणा के तौर पर है और प्रेरणा असीमित होती है। इस तरह सारी अस्पष्टता को दूर करते हुए कहा कि आरएसएस से भाजपा को प्रेरणा मिलती है, समय समय पर परामर्श मिलता है लेकिन भाजपा का निर्माण इस तरह से हुआ है कि वह अपने निर्णय करने के लिए पूरी तरह से स्वतंत्र है। ऐसे ही प्रायरू सत्ता, संगठन और विचारधारा को लेकर प्रश्न उठते हैं।

खुद को एक्टिविस्ट या बुद्धिजीवी बताकर कानून को ठेंगा दिखाने वालों को बड़ा झटका लगा है

नीरज

उच्चतम न्यायालय ने 2020 के दिल्ली दंगों की साजिश के मामले में आरोपियों– उमर खालिद और शरजील इमाम को जमानत देने से साफ इंकार करते हुए कहा है कि उनके खिलाफ गैरकानूनी गतिविधियां (रोकथाम) अधिनियम के तहत प्रथम दृष्टया मामला बनता है। अदालत ने साथ ही उमर खालिद और शरजील इमाम पर इस मामले में एक साल तक जमानत याचिका दाखिल करने पर भी रोक लगा दी है। न्यायमूर्ति अरविंद कुमार और न्यायमूर्ति एनवी अंजारिया की पीठ ने हालांकि इस मामले में अन्य आरोपियों– गुलफिशा फातिमा, मीरान हैदर, शिफा उर रहमान, मोहम्मद सलीम खान और शादाब अहमद को 12 शर्तों के साथ जमानत दे दी है। पीठ ने कहा, ''अदालत इस बात से संतुष्ट है कि अभियोजन पक्ष द्वारा प्रस्तुत सामग्री से याचिकाकर्ताओं– उमर खालिद और शरजील इमाम के खिलाफ प्रथम दृष्टया आरोप सिद्ध होते हैं। इन याचिकाकर्ताओं के संबंध में वैधानिक कसौटी लागू होती है। कार्यवाही के इस चरण में उन्हें जमानत पर रिहा करना उचित नहीं है।'' अदालत ने कहा कि जिन लोगों को जमानत मिली है, उनकी भूमिका सीमित और परिस्थितिजन्य मानी गई है, जबकि उमर खालिद और शरजील इमाम पर दंगों की साजिश रचने, भीड़ को भड़काने और सुनियोजित तरीके से हिंसा को दिशा देने के गंभीर आरोप हैं। अदालत ने यह भी रेखांकित किया कि अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता के नाम पर हिंसा को जायज नहीं ठहराया जा सकता। देखा जाये तो उच्चतम न्यायालय का यह फैसला केवल दो व्यक्तियों की जमानत याचिका का निपटारा नहीं है, बल्कि यह देश की आंतरिक सुरक्षा, कानून व्यवस्था और राष्ट्रीय संकल्प का स्पष्ट संदेश है। उमर खालिद और शरजील इमाम जैसे लोग कोई साधारण आरोपी नहीं हैं। ये वे चेहरे हैं जिन्होंने विचारधारा की आड़ में सड़कों पर आग लगाने की मानसिकता को खाद पानी दिया। यह बार बार साबित हो चुका है कि दिल्ली दंगे अचानक नहीं भड़के थे। उनके पीछे शब्दों के बारूद, भाषणों की चिंगारी और योजनाबद्ध उकसावे की लंबी तैयारी थी। ऐसे मामलों में यदि अदालत नरमी दिखाती, तो यह न केवल न्याय के साथ अन्याय होता बल्कि समाज के लिए एक खतरनाक संकेत भी जाता। अदालत ने सही कहा कि इन दोनों की स्थिति अन्य आरोपियों से अलग है। यह अंतर केवल कानूनी नहीं, बल्कि नैतिक और सामाजिक भी है। दंगा केवल पत्थर फेंकने से नहीं होता, दंगा उस सोच से पैदा होता है जो समाज को बांटने का काम करती है। जब किसी मंच से यह कहा जाए कि सड़कों पर उतर कर व्यवस्था को जाम कर दो, तब वही शब्द बाद में आग बन जाते हैं। जमानत खारिज करने का फैसला उन सभी लोगों के लिए चेतावनी है जो खुद को एक्टिविस्ट या बुद्धिजीवी बताकर कानून को ठेंगा दिखाना चाहते हैं। यह फैसला बताता है कि भारत में अभिव्यक्ति की आजादी का मतलब अराजकता फैलाने की छूट नहीं है। मुकदमे में देरी को लेकर अदालत की टिप्पणी भी उतनी ही महत्वपूर्ण है। वर्षों से एक तर्क गढ़ लिया गया था कि अगर मुकदमा लंबा चल रहा है, तो आरोपी को स्वतः राहत मिलनी चाहिए। यह सोच न्याय व्यवस्था को कमजोर करती है। अगर गंभीर साजिशों में केवल समय के आधार पर जमानत मिलने लगे, तो हर देश विरोधी ताकत समय को हथियार बना लेगी। इस फैसले का सबसे बड़ा असर उपद्रवी और दंगाई मानसिकता वाले लोगों पर पड़ेगा। अब यह भ्रम टूटेगा कि लंबी कानूनी प्रक्रिया अंततः उन्हें बचा लेगी। देखा जाये तो अदालत का सख्त रुख भारत की आतंकवाद के खिलाफ चल रही लडाई को मजबूत करता है। यह फैसला उन आम नागरिकों के लिए भी भरोसे का आधार है जिन्होंने दंगों में अपने घर, दुकानें और परिजन खोए। उनके लिए न्याय केवल सजा नहीं, बल्कि यह विश्वास है कि सिस्टम उनके साथ खड़ा है। कुछ लोग इसे कठोरता कहेंगे, लेकिन सच यह है कि लोकतंत्र की रक्षा के लिए कठोर फैसले जरूरी होते हैं। उमर खालिद और शरजील इमाम की जमानत खारिज होना इस बात का प्रमाण है कि भारत की न्यायपालिका आज भी राष्ट्र की सुरक्षा, सामाजिक सौहार्द और संविधान की मूल भावना को समझती है। यह फैसला आने वाले समय में न केवल कानूनी मिसाल बनेगा, बल्कि उन सभी ताकतों के लिए एक स्पष्ट चेतावनी भी होगा जो भारत को भीतर से तोड़ने का सपना देखती हैं। यह निर्णय बताता है कि भारत कमजोर नहीं है, भारत चुप नहीं है और भारत अब दंगों की राजनीति को बर्दाश्त करने के मूड में बिल्कुल नहीं है।

गिग–वर्कर्सः डिजिटल सुविधा की चकाचौंध में पसीने का अंधेरा

ललित गर्ग ।

ऑनलाइन बाजार और त्वरित सेवाओं के इस दौर में गिग–वर्कर्स शहरी जीवन–व्यवस्था की वह अदृश्य रीढ़ बन चुके हैं, जिनके बिना 'दस मिनट में डिलीवरी' और 'एक क्लिक पर सुविधा' की कल्पना भी नहीं की जा सकती। बाजार आने–जाने के झंझट से लोगों को मुक्त करने वाले ये युवा हर मौसम, हर समय और हर जोखिम में घर–घर सामान पहुँचाते हैं। लेकिन विडंबना यह है कि जिनके श्रम पर डिजिटल अर्थव्यवस्था की ऊँची इमारत खड़ी है, वही श्रमिक सबसे अधिक असुरक्षा, शोषण और उपेक्षा झेल रहे हैं। नये साल की पूर्व संध्या पर गिग–वर्कर्स द्वारा की गई हड़ताल ने भले ही देशव्यापी आपूर्ति–श्रृंखला को ठप न किया हो, लेकिन इसने उनकी बदहाल कार्य–परिस्थितियों की ओर देश का ध्यान अवश्य खींचा है। यह हड़ताल किसी राजनीतिक उकसावे का परिणाम नहीं, बल्कि लगातार बढ़ते काम के दबाव, घटते मेहनताने, नौकरी की अनिश्चितता और सम्मान के अभाव की स्वाभाविक प्रतिक्रिया थी। अपना व परिवार का पोषण करने वाले इन युवा गिग–वर्कर्स को अकसर सरपट दौड़ती मोटरसाइकिलों पर, भारी थैलों के साथ ऊँची इमारतों की सीढ़ियाँ चढ़ते देखा जा सकता है। समय सीमा का दबाव इतना तीव्र होता है कि जरा–सी देरी पर आर्थिक दंड झेलना पड़ता है। दुर्घटना, बीमारी या तकनीकी गड़बड़ी–किसी भी स्थिति में उनकी आय पर सीधा असर पड़ता है। ग्राहकों का व्यवहार भी प्रायः असंवेदनशील होता है। देर होने पर झिड़कियाँ, सामान में कमी निकालकर अपमान, कभी–कभी हिंसक व्यवहार और रेटिंग के जरिये भविष्य की कमाई पर प्रहार–यह सब इनके रोजमर्रा का हिस्सा है। इसके बावजूद औसतन 12–14 घंटे काम करने के बाद भी सात–आठ सौ रुपये की आय और वह भी बिना समुचित बीमा या सामाजिक सुरक्षा के एक गहरे शोषण की ओर इशारा करती है। गिग वर्कर्स वे लोग होते हैं जो पारंपरिक नौकरी के बजाय अस्थायी, लचीले और स्वतंत्र रूप से छोटे–छोटे काम (गिग्स) करते हैं, जो अक्सर ऑनलाइन प्लेटफॉर्म जैसे ऊबर, स्वीग्गी, जोमाटोज् या अन्य ऐप्स के जरिए मिलते हैं और इन्हें प्रति कार्य या प्रोजेक्ट के हिसाब से भुगतान मिलता है, न कि नियमित वेतन। इन श्रमिकों के पास कोई स्थायी रोजगार अनुबंध नहीं होता और वे खुद के बॉस की तरह काम करते हैं, लेकिन उन्हें सामाजिक सुरक्षा (जैसे स्वास्थ्य बीमा, पेंशन) जैसे लाभ नहीं मिलते। गिग वर्कर्स की चुनौतियाँ एवं मजबूरियां ज्यादा है, आय कम। आय की अनिश्चितता, सामाजिक सुरक्षा लाभों (जैसे बीमारी, दुर्घटना, पेंशन) का अभाव, श्रम अधिक–भुगतान कम, कामकाजी घंटों और मजदूरी को लेकर अक्सर विवाद। गिग वर्कर्स गिग इकॉनमी का हिस्सा हैं, जहाँ वे अपनी मर्जी से छोटे–छोटे, अस्थायी काम करके पैसे कमाते हैं, जो पारंपरिक 9–से–5 की नौकरी से अलग होता है। गिग वर्कर का अर्थ है एक ऐसा व्यक्ति जो आमतौर पर सेवा क्षेत्र में एक स्वतंत्र ठेकेदार या फ्रीलांसर के रूप में अस्थायी काम करता है जो पारंपरिक नियोक्ता–कर्मचारी संबंधों के बाहर काम करता है या कार्य व्यवस्था में भाग लेता है और ऐसी गतिविधियों से कमाई करता है। निस्संदेह, गिग अर्थव्यवस्था ने रोजगार सृजन की अपनी क्षमता दिखाई है। आज भारत में गिग–वर्कर्स की संख्या सवा करोड़ से अधिक है और अनुमान है कि 2030 तक यह संख्या दो करोड़ पैंतीस लाख तक पहुँच सकती है। लेकिन यह भी उतना ही सच है कि बेरोजगारी के बढ़ते दौर में पढ़े–लिखे युवा इस व्यवस्था में 'विकल्प' के रूप में नहीं, बल्कि 'मजबूरी' में प्रवेश कर रहे हैं। जिस देश को युवाओं का देश कहा जाता है, वहाँ शिक्षित युवाओं का अस्थायी, असुरक्षित और सम्मानहीन श्रम–व्यवस्था में फँसना न केवल चिंताजनक, बल्कि शर्मनाक भी है। यह स्थिति बताती है कि हमारी विकास–नीतियाँ रोजगार की गुणवत्ता पर नहीं, केवल संख्या पर केंद्रित हैं। गिग–वर्कर्स की सबसे बड़ी विडंबना यह है कि कंपनियाँ उनसे पूरा काम लेती हैं, लेकिन उन्हें पारंपरिक नियोक्ता–कर्मचारी संबंध के दायरे में स्वीकार नहीं करतीं। उन्हें 'स्वतंत्र कामगार' कहकर नियुक्ति, स्थायित्व, बीमा और न्यूनतम वेतन जैसी जिम्मेदारियों से बचा जाता है। हायर एंड फायर की नीति, एल्गोरिदम आधारित नियंत्रण, रेटिंग सिस्टम और प्रोत्साहन के नाम पर लालच–ये सब मिलकर एक ऐसी अदृश्य जकड़न पैदा करते हैं, जिसमें श्रमिक स्वतंत्र दिखता है, लेकिन वास्तव में पूरी तरह नियंत्रित होता है। हड़ताल के दौरान भी अतिरिक्त प्रोत्साहन देकर या ऑर्डर बढ़ाकर श्रमिक एकता को कमजोर कर दिया जाता है। 31 दिसंबर को एक प्रमुख खाद्य वितरण कंपनी द्वारा रिकॉर्ड ऑर्डर दर्ज किया जाना इसी विडंबना को उजागर करता है। हाल के दिनों में संसद में भी गिग–वर्कर्स के शोषण का मुद्दा उठा है। सांसद राघव चड्ढा और मनोज कुमार झा जैसे नेताओं ने इस वर्ग की दयनीय स्थिति पर ध्यान दिलाया है। यह स्वागतयोग्य है, क्योंकि नीति–निर्माण की प्रक्रिया में जब तक इन श्रमिकों की आवाज शामिल नहीं होगी, तब तक सुधार अधूरे रहेंगे। भारत सरकार द्वारा हालिया श्रम सुधारों में पहली बार गिग और प्लेटफॉर्म वर्कर्स को कानूनी रूप से परिभाषित किया गया है। एग्रीगेटर कंपनियों के टर्नओवर का एक से दो प्रतिशत सामाजिक सुरक्षा कोष में योगदान, आधार से जुड़े सार्वभौमिक खाता नंबर जैसी व्यवस्थाएँ एक लंबे समय से प्रतीक्षित कदम हैं। लेकिन सवाल यह है कि क्या ये प्रावधान वास्तव में गिग–वर्कर्स के जीवन में ठोस बदलाव ला पाएँगे? या फिर ये केवल कागजी सुधार बनकर रह जाएँगे? जब तक न्यूनतम आय, कार्य–घंटों की सीमा, दुर्घटना बीमा, स्वास्थ्य सुरक्षा और शिकायत निवारण की प्रभावी व्यवस्था सुनिश्चित नहीं होती, तब तक इन सुधारों को परिवर्तनकारी नहीं कहा जा सकता। 31 दिसंबर की हड़ताल भले ही पूरी तरह सफल न रही हो, लेकिन वह नैतिक और सामाजिक रूप से पूरी तरह जायज थी। यह हड़ताल व्यवस्था को बाधित करने से अधिक, व्यवस्था के भीतर छिपे अन्याय, शोषण की वृत्ति एवं दोगलेपन को उजागर करने का प्रयास थी। गिग–वर्कर्स ने यह संदेश दिया कि वे केवल 'डिलीवरी बॉय' नहीं, बल्कि श्रमशील नागरिक हैं, जिनके अधिकारों की अनदेखी अब और नहीं की जा सकती। निश्चित ही डिजिटल अर्थव्यवस्था का भविष्य गिग–वर्कर्स के बिना संभव नहीं है। इसलिए यह जरूरी है कि नीति–निर्माता, कंपनियाँ और उपभोक्ता–तीनों अपनी भूमिका पर आत्ममंथन करें। कंपनियों को लाभ के साथ जिम्मेदारी भी स्वीकार करनी होगी, सरकार को कानूनों का सख्त क्रियान्वयन सुनिश्चित करना होगा और उपभोक्ताओं को सुविधा के साथ संवेदनशीलता भी अपनानी होगी। यदि हम गिग–वर्कर्स को केवल सुविधा का साधन मानते रहे और उन्हें सम्मान, सुरक्षा व स्थायित्व नहीं दिया, तो यह केवल श्रमिकों का नहीं, बल्कि हमारी विकास–कल्पना का भी संकट होगा। विकसित भारत, उन्नत भारत एवं समृद्ध भारत के नाम पर एक बदनुमा दाग होगा। डिजिटल भारत की असली परीक्षा यही है कि वह अपने सबसे तेज दौड़ने वाले श्रमिकों को कितना सुरक्षित और सम्मानित जीवन दे पाता है। तेजी से फैलती ऑनलाइन सेवाओं की दुनिया में गिग–वर्कर्स की कार्य–सेवाओं को अब अनौपचारिक नहीं, बल्कि नियोजित, मान्यताप्राप्त और सम्मानजनक श्रम के रूप में स्वीकार किया जाना चाहिए। उनकी मेहनत का उचित और सुनिश्चित भुगतान, सुरक्षित कार्य–परिस्थितियाँ और सामाजिक सुरक्षा कोई दया नहीं, बल्कि उनका अधिकार है, जिसमें सरकार को निर्णायक हस्तक्षेप करना ही होगा। मुनाफे की अंधी दौड़ में लगी बड़ी कॉरपोरेट कंपनियों को यह समझना होगा कि श्रम केवल लागत नहीं, बल्कि व्यवस्था की आत्मा हैय शोषण की मानसिकता छोड़कर संवेदनशीलता और जवाबदेही अपनाए बिना कोई भी डिजिटल विकास टिकाऊ नहीं हो सकता। यदि गिग–वर्क को गरिमा, सुरक्षा और स्थायित्व के साथ विकसित किया जाए, तो यही सेवाएँ मजबूरी का प्रतीक नहीं, बल्कि रोजगार की एक आदर्श और मानवीय व्यवस्था बन सकती हैं, जहाँ सुविधा केवल उपभोक्ता को नहीं, सम्मान कामगार को भी मिले।

अमेरिका का वेनेजुएला पर हमला दुनिया भर के लिए चेतावनी

शकील

मूल मुद्दा दुनिया के सबसे बड़े तेल भंडारों पर कब्जा करने का है। अमेरिका ने इराक में क्या किया था। कितने झूठे आरोप लगाए थे राष्ट्रपति सद्दाम पर। जैसे यहां ड्रग के, तानाशाह होने के और पता नहीं क्या–क्या आरोप लगाए जा रहे हैं वैसे ही वहां रासायनिक हथियार के आरोप लगाए थे। आज तक साबित नहीं कर पाया अमेरिका। यह गुंडों जैसी हरकत है। वेनेजुएला के राष्ट्रपति निकोलस मादुरो के साथ उनकी पत्नी सिलिया फ्लोरेस को भी बेडरुम से घसीट कर बाहर निकालना और उठा कर ले जाना। मतलब अब अमेरिका को इस बात से कोई फर्क नहीं पड़ता कि दुनिया में कोई क्या सोचेगा? और महिला अधिकार सम्मान की तो बात ही नहीं। दूसरे देश में घुसने और वहां के राष्ट्रप्रमुख और उसकी पत्नी को उठा ले जाना क्या कोई सामान्य घटना है? किसी अन्य देश को या किसी को भी क्या अधिकार है? यह अपहरण करना है या अतंरराष्ट्रीय आतंकवाद? राष्ट्रपति मादुरो पर वह कई आरोप लगा रहा है। झूठे मनगढ़ंत। लेकिन उनकी पत्नी पर क्या आरोप हैं? कोई भी कानून अगर पति दोषी हो तो भी पत्नी के साथ इस तरह के सलूक की इजाजत नहीं देता। लेकिन अगर आप भारतीय मीडिया देखें तो उसमें यह सवाल सिरे से गायब है। ज्यादातर खबरें अमेरिका के एंगल से लिखी गई हैं। और राष्ट्रपति एवं उनकी पत्नी के अपहरण को जस्टिफाई किया गया है। कारण बता दिए जाते हैं कि इसलिए अमेरिका ने यह किया। भारत में भी जहां अपराध को उन्हें दबाना होता है वहां यह सवाल उठा देते हैं कि उसने यह अपराध क्यों किया।यहां एक और पहलू अंतरराष्ट्रीय रूप से रिश्वत देने का भी आ रहा है। राष्ट्रपति का आवास सुरक्षा घेरे में था। होता ही है। और यहां तो अमेरिका कई महीनों से धमकी दे रहा था। सुरक्षा और कड़ी की गई होगी। मगर राष्ट्रपति और पत्नी को इस तरह ले गए जैसे फिल्मों में गुंडे बाजार से कोई सामान उठा कर ले जाते हैं। फिल्मों में कोई नहीं बोलता तो यहां भी कोई नहीं बोला। फिल्मों में तो डर दिखाया जाता है। यहां कहा जा रहा है कि अमेरिका ने पहले ही वहां की सेना और सुरक्षा व्यवस्था को मोटी रिश्वतें पहुंचा दी थीं। सब खामोश रहे।जो लोग सोवियत संघ के खत्म हो जाने से खुश होते हैं वे देख लें कि एक ध्रुवीय व्यवस्था के कितने खतरे होते हैं। हम भी इसे भुगत रहे हैं। हमारे देश में भी सत्तारूढ़ पार्टी भाजपा बहुत अमेरिका परस्त रही है। सोवियत संघ की विरोधी।मगर अभी जब पहलगाम में आतंकवादी हमला हुआ और हमारी सेना ने पाकिस्तान के आतंकवादी ठिकानों पर जवाबी कार्रवाई की तो अमेरिका ने अचानक सीजफायर करवा दिया। और राष्ट्रपति ट्रंप ने साठ–सत्तर बार बोला कि मैंने युद्ध रुकवा दिया। वह यहीं तक नहीं रुके उन्होंने पाकिस्तान की प्रशंसा भी शुरु कर दी। वहां के आर्मी चीफ मुनीर जो पहलगाम आतंकवादी हमले के लिए जिम्मेदार थे उन्हें स्पेशल लंच पर बुलाया। इस एक ध्रुवीय व्यवस्था का भारत पहले हमेशा विरोध करता रहा। लेकिन 2014 में मोदी के आने के बाद वे माई डियर फ्रेंड ट्रंप में ऐसे लगे रहे कि ट्रंप द्वारा किए गए भारत के खिलाफ किसी काम पर एक शब्द भी नहीं बोले। सोवियत संघ जरूर टूट गया मगर रूस फिर भी हमारा दोस्त बना रहा। वेनेजुएला में सारा मामला तेल का है। अमेरिका मीडिया के जरिए झूठी कहानियां फैला रहा है जैसे इराक के लिए भी फैलाईं थी उसने। मगर सारा खेल वहां के तेल पर कब्जे का है। दुनिया का सबसे ज्यादा तेल वेनेजुएला के पास है और पहले अमेरिका ही वहां तेल निकालने का काम करता था। मगर जब से वहां तेल का राष्ट्रीयकरण हुआ और अमेरिकी कंपनियों को बाहर निकलना पड़ा अमेरिका तब से मौके की तलाश में था। और अब जब वह वहां के राष्ट्रपति तक को उठा लाया तो सारी शर्म छोड़कर साफ कह रहा है कि अब वेनेजुएला का शासन वह चलाएगा। अमेरिकी तेल कंपनियां वहां जाएंगी। 24 घंटे में ही सारी कलई खुल गई। ड्रग ड्रग की बातें खतम हो गईं। असलियत पर आ गए। वेनेजुएला में वामपंथी राष्ट्रपति ह्यूगो शावेज ने तेल का राष्ट्रीयकरण करके इस दक्षिण अमेरिकी देश में गरीबी उन्मूलन की शुरुआत की थी। तेल का पैसा जो अमेरिका ले जाता था। और वहां के चंद लोग उसकी दलाली में पैसे वाले बन जाते थे शावेज ने वह चक्र तोड़कर तेल का फायदा आम जनता को पहुंचाना शुरू किया। और उसी के बाद से पूरा पश्चिमी प्रचार तंत्र वेनेजुएला की गलत तस्वीर पेश करने लगा। चंद पैसे वाले बने लोगों की कहनियां सुना–सुनाकर यह बताने लगा कि अमेरिका जब वेनेजुएला में था तो वहां बड़ी– बड़ी गाड़ियां थीं। लेकिन अब वह नहीं दिखतीं। इसी तरह अब अमेरिका की खुलेआम वेनेजुएला पर हमला करने और वहां नई राष्ट्रपति (कार्यवाहक) नियुक्त होने के बाद कहा जा रहा है कि मादुरो तानाशाह थे। हमारे यहां का मीडिया भी इस पर जोर दे रहा है और तमाम सोशल मीडिया के लोग भी। यह एक बहुत खतरनाक बात है। अगर कोई तानाशाह भी था तो अमेरिका को यह अधिकार कैसे मिल जाता है कि वह किसी सम्प्रभु देश में घुसकर वहां के राष्ट्रपति और उसकी पत्नी को उठाकर ले जाए? आश्चर्यजनक और दुखद है कि हमारे यहां लोग इस बात पर जोर दे रहे हैं कि राष्ट्रपति ऐसा था वैसा था। यह कहना अमेरिका की गुंडागर्दी को सही ठहराना, मान्यता देना जैसा हो रहा है। मूल मुद्दा दुनिया के सबसे बड़े तेल भंडारों पर कब्जा करने का है। अमेरिका ने इराक में क्या किया था। कितने झूठे आरोप लगाए थे राष्ट्रपति सद्दाम पर। जैसे यहां ड्रग के, तानाशाह होने के और पता नहीं क्या–क्या आरोप लगाए जा रहे हैं वैसे ही वहां रासायनिक हथियार के आरोप लगाए थे। आज तक साबित नहीं कर पाया अमेरिका। और साबित करना क्या कोई अब तो बात भी नहीं करता कि वह आरोप कितने गलत और झूठे थे। अब एक और बात लास्ट भारत की। कभी भारत इन परिस्थितियों में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता था। कहने को विश्वगुरू हम आज हैं। मगर वास्तव में वह नेहरू के समय थे। जब दुनिया दो ध्रुवीय थी। अमेरिका और रूस के बीच शीत युद्ध की स्थिति थी। तब गुटनिरपेक्ष देशों की एक तीसरी ताकत बनकर नेहरु ने विश्व में शांति बनाए रखने में निर्णायक भूमिका निभाई थी। कोरियाई देशों के बीच 1950 में शुरु हुआ युद्ध विश्व युद्ध के मुहाने तक पहुंच गया था। सोवियत संघ और चीन उत्तर कोरिया के साथ थे और अमेरिका दक्षिण कोरिया के साथ। उस समय नेहरू ने भारत के नवनिर्माण के साथ अन्तरराष्ट्रीय स्तर पर भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। संयुक्त राष्ट्र में भारत के शांति प्रस्ताव को मान्यता मिली। विश्व युद्ध टला। भारत को एनएनआरसी (तटस्थ राष्ट्र प्रत्यावर्तन समिति) का अध्यक्ष चुना गया। शांति स्थापित हुई।यह एक नहीं कई उदाहरण हैं। यह तो नेहरू के शुरुआती काल का है जब वे अन्तरराष्ट्रीय जगत में भारत के महत्व को स्थापित कर रहे थे। यहां ध्यान दें। नेहरू खुद को नहीं भारत के महत्व को स्थापित कर रहे थे। आज तो खुद को विश्व गुरु कहते हैं।

सामान्य वर्ग के अभ्यर्थियों को नहीं मिलेगी उम्र में छूट, इन्हें 48 साल से मिल रहा है लाभ

लखनऊ, (संवाददाता)। प्रदेश पुलिस में 32679 सिपाही और समकक्ष पदों पर होने वाली सीधी भर्ती में सामान्य वर्ग के अभ्यर्थियों को आयु सीमा में छूट मिलने के आसार कम हैं। अधिकारियों के मुताबिक वर्ष 2023 में सिपाही नागरिक पुलिस के 60244 पदों पर हुई सीधी भर्ती में आयु सीमा में तीन वर्ष की छूट दी जा चुकी है। इससे इस बार छूट मिलने की उम्मीद कम है। सामान्य वर्ग के अभ्यर्थियों को आयु सीमा में छूट देने के लिए विधायकों की ओर से सीएम को पत्र लिखने के बाद यह मुद्दा चर्चा में है। दरअसल, आयु सीमा में छूट देने का फैसला राज्य सरकार को लेना है। इसके लिए कोई ठोस वजह होना जरूरी है। हालांकि, 60244 सिपाहियों की भर्ती नागरिक पुलिस के लिए हुई थी जबकि इस बार पीएसी, सशस्त्र पुलिस, घुड़सवार पुलिस, विशेष सुरक्षा बल और जेल वार्डर के पद भी शामिल हैं। इन रिक्त पदों पर करीब 6 वर्ष से भर्ती नहीं की गई है। इसी वजह से अभ्यर्थी लगातार आयु सीमा में छूट देने की मांग कर रहे हैं। फिलहाल इस प्रकरण में अब गेंद राज्य सरकार के पाले में है और उसे ही आयु सीमा में छूट देने पर फैसला लेना है। वहीं, आजाद समाज पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष चंद्रशेखर ने भी मुख्यमंत्री को पत्र लिखकर अभ्यर्थियों को आयु सीमा में तीन वर्ष की छूट देने का अनुरोध किया है। अन्य पिछड़ा वर्ग और अनुसूचित जाति–अनुसूचित जनजाति के अभ्यर्थियों को सरकारी नौकरी में 5 वर्ष की छूट 48 वर्षों से दी जा रही है। पुराने रिकॉर्ड खंगालने पर पता चला कि 8 नवंबर 1977 को प्रदेश के राष्ट्रीय एकीकरण विभाग के आयुक्त एवं सचिव धर्मेंद्र मोहन सिन्हा ने इस बाबत शासनादेश जारी किया था। दरअसल, शासन द्वारा इससे पहले वर्ष 1977 के अगस्त, सितंबर और अक्तूबर में जारी शासनादेशों में अन्य पिछड़ा वर्ग को राजकीय सेवाओं में आरक्षण का प्रावधान करते हुए

रामनगरी में बनेगा हाईटेक कैंसर अस्पताल, हनुमानजी की डिजिटल गैलरी भी बनेगी

लखनऊ, (संवाददाता)। यूपी के अयोध्या में राम मंदिर भवन निर्माण समिति के अध्यक्ष नृपेंद्र मिश्र ने रामनगरी के समग्र विकास के बारे में महत्वपूर्ण जानकारी दी है। उन्होंने बताया कि राम मंदिर निर्माण के साथ अब अयोध्या में स्वास्थ्य सुविधाओं को आधुनिक और सुदृढ़ बनाने पर विशेष जोर दिया जा रहा है। इसी क्रम में श्रीराम अस्पताल का बड़े स्तर पर अपग्रेडेशन किया जाएगा। ताकि, स्थानीय नागरिकों और दूरदराज से आने वाले श्रद्धालुओं को बेहतर चिकित्सा सुविधा मिल सके। इसके अलावा अयोध्या में 300 बेड के नए सरकारी अस्पताल के निर्माण की योजना भी तेजी से आगे बढ़ रही है। इस परियोजना के लिए टेंडर प्रक्रिया और निर्माण एजेंसी का चयन किया जा चुका है, जबकि भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण यानी एएसआई की अंतिम स्वीकृति का इंतजार किया जा रहा है। स्वीकृति मिलते ही निर्माण कार्य शुरू कर दिया जाएगा। निजी क्षेत्र में भी स्वास्थ्य सेवाओं के विस्तार की तैयारी है। मोदी कैंसर केयर ट्रस्ट की ओर से आठ एकड़ भूमि पर अत्याधुनिक कैंसर अस्पताल का निर्माण किया जाएगा, जो हब–स्पोक मॉडल पर आधारित होगा। इस ट्रस्ट में अयोध्या के राज परिवार का एक सदस्य हमेशा ट्रस्टी रहेगा। योजना के अनुसार, दो वर्षों के भीतर निर्माण कार्य पूरा कर ओपीडी और जांच सेवाएं शुरू की जाएंगी। इसके साथ ही रामकथा संग्रहालय में आईआईटी मद्रास के सहयोग से हनुमान जी की डिजिटल गैलरी बनाई जाएगी। इससे श्रद्धालुओं को तकनीक के माध्यम से एक नया अनुभव मिलेगा।

संक्षिप्त खबरें

एसटीएफ ने एक लाख के इनामी बदमाश को मार गिराया

लखनऊ, (संवाददाता)। यूपी के सुल्तानपुर में सोमवार को तड़के पहर एसटीएफ और पुलिस की संयुक्त टीम ने मुठभेड़ में एक शातिर बदमाश को मार गिराया। वह लखीमपुर खीरी जिले का रहने वाला एक लाख का इनामी बदमाश था। लंबे समय से पुलिस को इसकी तलाश थी। मुठभेड़ लंभुआ कोतवाली क्षेत्र के दियरा मोड़ के पास हुई। मुठभेड़ उस समय हुई जब एसटीएफ और पुलिस टीम सुल्तानपुर–वाराणसी राष्ट्रीय राजमार्ग पर सक्रिय थी। जवाबी कार्रवाई में गोली लगने से बदमाश घायल हो गया। उसे तत्काल सीएचसी, लंभुआ ले जाया गया। वहां से मेडिकल कॉलेज के लिए रेफर कर दिया गया। मेडिकल कॉलेज में चिकित्सकों ने जांच के बाद उसे मृत घोषित कर दिया। बदमाश की पहचान तालिब उर्फ आजम खान (26) के रूप में हुई है। यह लखीमपुर खीरी जिले के फरधान थाना क्षेत्र के गौरिया का रहने वाला था। इसके आपराधिक इतिहास की जांच की जा रही है। बताया गया कि इस पर लखीमपुर में कई मुकदमे दर्ज हैं। इनाम भी घोषित था।

लखनऊ सहित प्रदेश के पांच मंडलों में लगेंगे बड़े रोजगार मेल

लखनऊ, (संवाददाता)। रोजगार और नौकरी से वंचित प्रदेश के युवाओं को रोजगार पाने का बढ़ा अवसर मिलने जा रहा है। 9 जनवरी से लखनऊ सहित पांच मंडलों में रोजगार की बहार बहेगी। प्रत्येक मंडलों में करीब 100 कंपनियों में 10 हजार से अधिक युवाओं को रोजगार से जोड़ने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ स्वंय रोजगार मेले का शुभारंभ करेंगे। उत्तर प्रदेश कौशल विकास मिशन के निदेशक पुलकित खरे ने इस संबंध में आदेश जारी किया है। कौशल विकास विभाग के अधिकारियों ने बताया कि गोमतीनगर स्थित इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान परिसर में 9 जनवरी को मेगा रोजगार मेले का मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ शुभारंभ करेंगे। 6 फरवरी तक प्रत्येक पांच मंडलों में प्रस्तावित मेगा रोजगार मेले में आस–पास के जिलों के युवाओं को स्थानीय स्तर के साथ ही देश व प्रदेश में रोजगार पाने का सुनहरा मौका मिलेगा। अलीगंज राजकीय आईटीआई के प्लेसमेंट अधिकारी एमए खान ने बताया कि आईटीआई, डिप्लोमा, इंजीनियरिंग के साथ– साथ हाईस्कूल, इंटरमीडिएट, स्नातक और परास्तक तक योग्यता रखने वाले युवाओं को उनकी कौशल क्षमता के आधार पर नौकरी मिलेगी। देश की नामी टाटा मोटर्स, मारुति सुजुकी, होंडा, बजाज, पेटीएम व अन्य नामी कंपनियों में करीब 30 हजार रुपये तक वेतन पर नौकरी मिलेगी। कौशल विकास विभाग की ओर से जारी आदेश के अनुसार, रोजगार मेला के आयोजक, स्थल चयन, प्रतिभाग करने वाली नियोजक संस्थाओं एवं मेला के आयोजन पर व्यय की जाने वाली धनराशि व अन्य व्यवस्थाएं मुख्य विकास अधिकारी की निगरानी में होगी। रोजगार मेले को सफल बनाने में मंडलीय संयुक्त निदेशक प्रशिक्षण, राजकीय आईटीआई, पॉलीटेक्निक व अन्य शिक्षण संस्थानों से भी सहयोग मांगा गया है।

जिला महिला अस्पताल में प्रसूता की मौत, लापरवाही की बात कहकर परिजनों ने किया हंगामा

लखनऊ, (संवाददाता)। यूपी के गोंडा में जिला महिला अस्पताल में ऑपरेशन से डिलीवरी के बाद भर्ती प्रसूता अनसुइया (40) की रविवार देर रात मौत हो गई। मौत के बाद आक्रोशित परिजनों ने अस्पताल परिसर में घंटों हंगामा किया। डॉक्टरों द्वारा इलाज में लापरवाही करने की बात कही। सूचना पर सीएमएस डॉ. देवेंद्र सिंह और नगर कोतवाली पुलिस पहुंची। उन्होंने परिजनों को समझाने का प्रयास किया, लेकिन वह कार्रवाई की मांग पर अड़े रहे। फिलहाल मामले में जांच के आदेश दे दिए गए हैं। मृतका देहात कोतवाली क्षेत्र के खरगूपुर चांदपुर ग्राम पंचायत के गोड़रिया गांव की रहने वाली थी। पति जिलेदार ने बताया कि शनिवार की रात उन्होंने पत्नी अनसुइया को प्रसव पीड़ा होने पर जिला महिला अस्पताल में भर्ती कराया था। रविवार को ऑपरेशन से पुत्र का जन्म हुआ। इसके बाद महिला को वार्ड में भर्ती कर दिया गया। बताया कि देर रात अचानक प्रसूता की तबीयत बिगड़ गई। हालत गंभीर होने पर उन लोगों ने रेफर करने की बात कही। लेकिन, समय पर रेफर नहीं किया गया। काफी समय बीतने के बाद महिला को यहां से दूसरे अस्पताल ले जाया जा रहा था। लेकिन, अस्पताल के गेट पर ही उसने दम तोड़ दिया। पति जिलेदार व परिजनों ने लापरवाही बरतने वाले डॉक्टरों पर कड़ी कार्रवाई की मांग की है। जिला महिला अस्पताल के सीएमएस डॉ. देवेंद्र सिंह ने आरोपों को निराधार बताया। कहा कि अनसुइया का ऑपरेशन पूरी तरह सफल रहा था और बच्चा सुरक्षित है। वार्ड में महिला को उल्टी हुई। आशंका है कि उल्टी श्वासनली में चली गई, इससे सांस लेने में दिक्कत हुई है। इसी कारण मौत हो गई। यह चिकित्सकीय जटिलता हो सकती है। इसमें किसी प्रकार की लापरवाही नहीं बरती गई। फिर भी मामले की गंभीरता को देखते हुए जांच के आदेश दिए गए हैं।

आरटीओ प्रशासन ऋतु सिंह ने चालको से सीधे संवाद कर पम्पलेट के माध्यम से पढाया सड़क सुरक्षा का पाठ

(राजन तिवारी संवाददाता अयोध्या धाम)

अयोध्या।01 जनवरी से 31 जनवरी तक मनाए जा रहे सड़क सुरक्षा माह के तहत मंगलवार को आरटीओ (प्रशासन) ऋतु सिंह द्वारा विभागीय अधीनस्थ अधिकारी एवं कर्मचारियों के साथ रेट्रो–रिफ्लेक्टिव टेप एवं पैम्पलेट वितरण के माध्यम से सड़क सुरक्षा का पाठ पढ़ाने स्वयं निकली।इस कड़ी में नवीन मण्डी अयोध्या व नाका चुंगी में उपस्थित वाहनों के चालकों एवं वाहन स्वामियों से संवाद कर उन्हें सड़क सुरक्षा नियमों के बारें में जानकारी दी गयी कि कोहरे में विशेष सावधानी बरती जाय, मानक अनुरूप रेट्रो–रिफ्लेक्टिव टेप लगवाने, वाहनों के प्रपत्र यथा– फिटनेस, बीमा, परमिट, पीयूसी, टैक्स अद्यतन वैध रखनें, वैध लाइसेंस के साथ ही वाहन चलाने, शराब या नशीले पदार्थ का सेवन कर वाहन कभी ना चलाए क्योंकि आपका जीवन परिवार और समाज के लिए अनमोल, सही लेन में वाहन चलाए, व्यवसायिक वाहन चालक वर्दी धारण करें, सीट बेल्ट अवश्य लगायें, ओवर स्पीडिंग न करें, ओवरलोडिंग न करें एवं स्वीकृत भार सीमा में ही माल लोड करें, मार्ग विशेष पर दी गयी गति सीमा के अन्दर ही गाड़ी चलायें, वाहन चलाते समय फोन पर बात न करें और यदि फोन पर बात करना आवश्यक हो तो वाहन सुरक्षित ढंग से सड़क से नीचे रोककर ही बात करें और अवैध पार्किंग या सड़क पर वाहन पार्क न करें क्योंकि इससे दुर्घटना होने की संभावना होती है। मौके पर सभी चालकों के लाइसेस भी देखे गये।इसके अतिरिक्त चालकों को

राहवीर योजना, हिट एण्ड रन योजना की जानकारी देते हुए उन्हें घायलों को मदद हेतु प्रेरित किया गया। साथ ही यह भी बताया गया राहवीर योजना के तहत गंभीर रूप से घायल व्यक्ति को अस्पताल पहुंचाने पर 25,000 की धनराशि सरकार द्वारा पुरस्कार स्वरूप प्रदान की जाती है। अधिकत्तर वाहनों पर रेट्रो–रिफ्लेक्टिव टेप लगे पाये गये और जिन वाहनों पर नहीं लगे थे उन पर निःशुल्क रेट्रो–रिफ्लेक्टिव टेप अधिकारियोंध्कर्मचारियों द्वारा लगाये गये। वहाँ खडी कुछ वाहनों के ऊपर एस्ट्रा लोहे का हुड देखकर आरटीओ द्वारा असंतोष व्यक्त करते हुए वाहन स्वामियों को तत्काल ऐसे किसी भी अतिरिक्त ढांचे को हटवाने के निर्देश दिये गये और वहाँ उपस्थित संभागीय निरीक्षक श्री राजीव गुप्ता को भी निर्देश दिये गये कि उक्त वाहनों एवं अन्य वाहनों की फिटनेस में भी इन तथ्यों का विशेष ध्यान दिया जाय एवं सभी मानकों का फिटनेस प्रमाण–पत्र देते हुए कड़ाई से अनुपालन सुनिश्चित किया जाय।

संक्षिप्त खबरें

अच्छे संस्कारों की पहली पाठशाला हैं दादी–नानी की कहानियां

लखनऊ, (संवाददाता)। बच्चों को संस्कार देने की शुरुआत घर से होनी चाहिए और इसकी सबसे सशक्त कड़ी दादी–नानी की कहानियां हैं। यह बात रविवार को अलीगंज सेक्टर–क्यू स्थित सरस्वती विद्या मंदिर में आयोजित हिंदू सम्मेलन में वक्ताओं ने कही। सम्मेलन में समाज को जोड़ने, पारिवारिक मूल्यों को मजबूत करने और बच्चों के नैतिक विकास पर विशेष जोर दिया गया। हिंदू सम्मेलन आयोजन समिति मारुति बस्ती हनुमान नगर की ओर से हुए इस कार्यक्रम में मुख्य वक्ता इतिहास संकलन योजना, नई दिल्ली के अखिल भारतीय सह संगठन मंत्री संजय श्रीहर्ष मिश्र ने कहा कि मानवता की रक्षा तभी संभव है, जब समाज अपनी सांस्कृतिक जड़ों से जुड़ा रहे। अयोध्या से आए महंत वैदेही वल्लभ शरण ने कहा कि भगवान राम से मर्यादा और भरत से त्याग की सीख लेकर ही समाज को सही दिशा दी जा सकती है। कार्यक्रम में मातृशक्ति प्रतिज्ञा तिवारी, मौनी बाबा, मनोज दास महाराज, जय मां दुर्गा सेवा समिति के अध्यक्ष अवधेश कुमार सिंह सहित बड़ी संख्या में लोग उपस्थित रहे।

गीता का संदेश देने के लिए निकाली साइकिल यात्रा

लखनऊ, (संवाददाता)। गोमतीनगर विस्तार स्थित अस्पताल के मुख्य गेट से रविवार को सनातन महापरिषद भारत की ओर से श्रीगीता का संदेश साइकिल के संगश्र जागरूकता साइकिल यात्रा निकाली गई। आयोजक सीएम पांडेय ने बताया कि यात्रा का उद्देश्य स्वास्थ्य, पर्यावरण संरक्षण, अनुशासन और श्रीमद्भगवद्गीता के सार्वकालिक संदेश को जन–जन तक पहुंचाना है। कार्यक्रम में एमएलसी लालजी प्रसाद निर्मल, डॉ. राकेश कपूर, डॉ. आनंद किशोर, प्रमोद शर्मा व अन्य मौजूद रहे। यह साइकिल रैली लखनऊ के बाद उत्तराखंड से होकर 11 जनवरी को राजभवन में राज्यपाल आनंदीबेन पटेल के समक्ष अपने अनुभव साझा करेगी। 27 जनवरी को होने वाले समापन कार्यक्रम में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ शामिल होंगे।

समाज के उत्थान के लिए मिलकर करना होगा काम

लखनऊ, (संवाददाता)। उत्तर प्रदेश तैलिक साहू महासभा की मासिक बैठक प्रदेश अध्यक्ष व पूर्व राज्य मंत्री सिद्ध गोपाल साहू की अध्यक्षता में हजरतगंज स्थित दारुलशफा के कॉमन हॉल में रविवार को हुई। बलिया के मोहन गुप्ता को महासभा का प्रदेश सचिव व सुरेश कुमार गुप्ता को महासभा बलिया का जिला अध्यक्ष मनोनीत किया गया। मुख्य अतिथि के रूप में मौजूद राष्ट्रीय महामंत्री रामलाल गुप्ता ने कहा कि प्रदेश में तेली समाज की आबादी के हिसाब से राजनैतिक भागीदारी नगण्य है। संगठन के पदाधिकारियों को अधिक से अधिक सदस्यता पर जोर देना चाहिए। अजय पाल राठौर, प्रदेश कार्यवाहक अध्यक्ष दिलीप साहू, इंजीनियर अविनाश साहू ने कहा कि समाज की बेहतरी के लिए मिलकर कार्य करना होगा। संचालन प्रदेश महामंत्री श्याम कृष्ण गुप्ता व श्यामलाल उर्फ पप्पू राठौर ने किया। बलिया के रामजी गुप्ता, सुरेश गुप्ता, बहोरन साहू, महेंद्र साहू, प्रमोद गुप्ता, उमाशंकर साहू, राजेश कुमार साहू, एडवोकेट सन्नी राठौर, मोहन गुप्ता, इंद्र कुमार गुप्ता, ओम प्रकाश साहू आदि ।

सूर्यप्रकाश और जय रमन को अमृतायन सम्मान

लखनऊ, (संवाददाता)। साहित्यिक संस्था अमृतायन की ओर से गीतकार सूर्यप्रकाश सूरज को कलम बोलती है सम्मान और जय रमन बाजपेई को अमृतायन साहित्य साधक सम्मान से नवाजा गया। बुद्धेश्वर के आदर्श विहार में रविवार को अमृतायन सभागार में हुए समारोह में काव्य गोष्ठी भी आयोजन हुआ। शुभेंद्र सिंह के संचालन में कवयित्री प्रतिभा गुप्ता ने वाणी वंदना की। संस्था के अध्यक्ष डॉ. अशोक अज्ञानी ने बताया कि सभापति के रूप में मौजूद साहित्यकार नवीन बैसवारी, विशिष्ट अतिथि गजलकार राजेश राज के अलावा मित्र विपुल, पुष्पेंद्र प्रेमी, नीलेश ज्वाला, शशि नारायण त्रिपाठी, हिमांशु लखनवी, आदर्श पांडेय आदि ने काव्यपाठ किया।

जाम के मामले में किरकिरी के बाद एक्शन में पुलिस, एडीसीपी और एसीपी ट्रैफिक हटाए गए

लखनऊ, (संवाददाता)। नए वर्ष के पहले दिन पांच लाख लोगों के जाम में फंसने के बाद लगातार जिम्मेदारों पर गाज गिरने का क्रम जारी है। शनिवार को तीन चौकी प्रभारियों को लाइन हाजिर किया गया था। रविवार को एडीसीपी ट्रैफिक अशोक कुमार सिंह और एसीपी ट्रैफिक सुरेंद्र कुमार शर्मा को हटाया गया है। एडीसीपी हाईकोर्ट सुरक्षा राघवेंद्र सिंह को एडीसीपी ट्रैफिक का प्रभार सौंपा गया है। पुलिस आयुक्त ने एसीपी ट्रैफिक सुरेंद्र कुमार शर्मा को हटाकर अलीगंज का चार्ज सौंपा है। इनकी जगह शशि प्रकाश मिश्र को एसीपी ट्रैफिक बनाया गया है। एडीसीपी ट्रैफिक अशोक कुमार सिंह को हाईकोर्ट सुरक्षा की जिम्मेदारी दी गई है। उल्लेखनीय है कि मुख्यमंत्री ने समीक्षा बैठक में कहा था कि कहीं पर जाम की स्थिति उत्पन्न न हो। इसके लिए अफसरों को रणनीति बनाने के निर्देश भी दिए थे। समीक्षा बैठक के बाद चौकी प्रभारी सतखंडा, हुसैनाबाद और रूमी गेट को लाइन हाजिर किया गया था। टीआई चौक के खिलाफ डीसीपी ट्रैफिक को कार्रवाई के लिए रिपोर्ट भेजी गई थी। जाम लगने के बाद हुई किरकिरी के बाद हजरतगंज पुलिस सक्रिय हो गई है। रविवार को हजरतगंज इलाके में प्रतिबंधित मार्गों पर बिना वैध कागजात के वाहन चलाने पर 71 तीन पहिया वाहन सीज किए गए। 271 वाहनों के चालान भी किए गए। इंस्पेक्टर विक्रम सिंह के मुताबिक एक सघन चेकिंग टीम का गठन किया गया है। शनिवार को भी 43 तीन पहिया वाहन सीज किए गए थे। यातायात सुगम बनाने के लिए लखनऊ पुलिस ने नए–नए प्रयोग किए हैं। जगह–जगह बैरिकेडिंग लगाई गई है। हजरतगंज चौराहे, श्रीराम टॉवर, परिवर्तन चौक, निशातगंज, आईटी चौराहे व अन्य स्थानों पर यातायात में परिवर्तन किया गया है। नए साल पर बड़ी संख्या में बैरिकेडिंग की गई थी।

कमरों में बसते हैं घोंसले, पिंजरों में सिमटकर बाजार पहुंचती है चहचहाहट

लखनऊ, (संवाददाता)। सुबह की हल्की रोशनी जैसे ही पुराने शहर पर उतरती है, नक्खास बाजार की गलियों में परिंदों की चहचहाहट गूंज उठती है। अब यह चहचहाहट जंगलों या खुले आंगनों से नहीं, बल्कि घरों के कमरों से निकलकर बाजार तक पहुंचती है। कानून की सख्ती के बीच परिंदों से मोहब्बत ने नया ठिकाना ढूंढ लिया है... कमरों में बसते घोंसले। आज नक्खास में बिकने वाले ज्यादातर परिंदों की आपूर्ति घरों से होती है। किसी कमरे की दीवार पर मिट्टी की हांडियां टंगी हैं तो कहीं रोशनी और तापमान का संतुलन साधा जा रहा है। इन्हीं कमरों में परिंदे अंडे देते हैं, बच्चे निकलते हैं और फिर वही चहचहाहट पिंजरों में सिमटकर बाजार तक पहुंचती है। करीब 15 से 20 परिवारों की रोजी–रोटी अब भी इसी चहचहाहट से जुड़ी हुई है। बजरीगर हों या लव बर्ड (पालतू तोते), सफेद कबूतर हों या रंगीन फाख्ता, फिंच, मुनिया और कैनरी... हर परिंदा यहां अपनी पहचान रखता है। 65 वर्षीय कारोबारी नवाब बताते हैं कि कभी देसी और पहाड़ी तोते आम थे लेकिन अब वे कानून की दीवारों के पीछे रह गए हैं। जो जायज है, वही बाजार में बचा है और उसी में यह विरासत सांस ले रही है। वक्त बदला, कानून सख्त हुआ और मोबाइल ने लोगों को परों की आवाज से दूर कर दिया लेकिन परिंदों से जुड़ा शौक पूरी तरह खत्म नहीं हुआ। नक्खास बाजार की रौनक भले ही पहले जैसी न हो, पर परिंदों से मोहब्बत अब भी कायम है। पिछले साल की तुलना में लगभग सभी पक्षियों के दामों में 25 से 30 फीसदी तक इजाफा हुआ है। बजरीगर पक्षी का जोड़ा जो पहले 250 से 300 रुपये में मिल जाता था, अब करीब 400 रुपये का हो गया है। वहीं लव बर्ड का जोड़ा 1200–1500 रुपये से बढ़कर अब 2000 रुपये तक पहुंच गया है।

डॉ. शकुंतला मिश्रा पुनर्वास विश्वविद्यालय में प्रदेश के पहले राज्य विश्वविद्यालय स्तरीय ब्रेल पुस्तकाल

लखनऊ, (संवाददाता)। प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की समावेशी शिक्षा और दिव्यांग सशक्तिकरण की दूरगामी सोच को धरातल पर उतारते हुए पिछड़ा वर्ग कल्याण एवं दिव्यांगजन सशक्तीकरण विभाग के राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) नरेंद्र कश्यप के मार्गदर्शन में डॉ. शकुंतला मिश्रा राष्ट्रीय पुनर्वास विश्वविद्यालय में प्रदेश के पहले राज्य विश्वविद्यालय स्तरीय ब्रेल पुस्तकालय अनुभाग का भव्य शुभारंभ किया गया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलपति आचार्य संजय सिंह ने स्वामी विवेकानंद केंद्रीय पुस्तकालय के प्रथम तल पर स्थापित अत्याधुनिक ब्रेल पुस्तकालय का विधिवत उद्घाटन किया।इससे पूर्व कुलपति ने विश्वविद्यालय के ब्रेल प्रेस परिसर में ब्रेल लिपि के जनक लुई ब्रेल की जयंती के अवसर पर उनकी प्रतिमा पर माल्यार्पण एवं पुष्पांजलि अर्पित कर श्रद्धांजलि दी। इसके बाद फीता काटकर ब्रेल पुस्तकालय अनुभाग का गरिमामय उद्घाटन किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत कुलपति द्वारा दृष्टि दिव्यांग विद्यार्थियों का हाथ पकड़कर दीप प्रज्ज्वलन के साथ की गई, जिसे समावेश और सम्मान का प्रतीक बताया गया।कुलपति आचार्य संजय सिंह ने अपने संबोधन में दृष्टि दिव्यांग विद्यार्थियों को आत्मनिर्भर बनने के लिए प्रेरित किया और विश्वविद्यालय प्रशासन को निर्देश दिए कि उन्हें आधुनिक कंप्यूटर प्रशिक्षण की सुविधा भी उपलब्ध कराई जाए, ताकि वे डिजिटल युग की चुनौतियों का प्रभावी ढंग से सामना कर सकें। उन्होंने कहा कि ब्रेल लिपि दृष्टिबाधित व्यक्तियों के लिए शिक्षा का एक सशक्त माध्यम है, जो उन्हें समाज की मुख्यधारा से जोड़कर उनके सर्वांगीण विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है।राज्य मंत्री नरेंद्र कश्यप ने कहा कि इस ब्रेल पुस्तकालय में विश्वविद्यालय के अपने ब्रेल प्रेस द्वारा प्रकाशित स्नातक और परास्नातक स्तर के 54 पाठ्यक्रमों से संबंधित, राष्ट्रीय शिक्षा नीति के अनुरूप लगभग 4000 शैक्षणिक ब्रेल पुस्तकें उपलब्ध कराई गई हैं। उन्होंने कहा कि यह उत्तर प्रदेश का पहला राज्य विश्वविद्यालय है, जहां इतनी बड़ी संख्या में ब्रेल पुस्तकों का सुव्यवस्थित पुस्तकालय अनुभाग विकसित किया गया है। पुस्तकालय में 150 से अधिक विद्यार्थियों के एक साथ अध्ययन करने की सुविधा वाला विशाल वाचनालय भी तैयार किया गया है, जो शांत और अनुकूल अध्ययन वातावरण प्रदान करेगा।नरेंद्र कश्यप ने कहा कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की 'सबको शिक्षा' की भावना के अनुरूप यह ब्रेल पुस्तकालय केवल विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों तक सीमित नहीं रहेगा। बाहरी दृष्टि दिव्यांग व्यक्ति भी सदस्यता लेकर यहां के संसाधनों का लाभ उठा सकेंगे। इसके लिए विशेष, आकस्मिक और कॉर्पोरेट सदस्यता की व्यवस्था की गई है। विशेष सदस्यता विद्वानों, शोधकर्ताओं, शिक्षाविदों और लखनऊ के अन्य नागरिकों के लिए उपलब्ध होगी। आकस्मिक सदस्यता अधिकतम छह माह के लिए दी जाएगी, जबकि कॉर्पोरेट सदस्यता के तहत वार्षिक शुल्क जमा कर कोई भी संगठन अपने कर्मचारियों के लिए पुस्तकालय सुविधा का लाभ ले सकेगा। विश्वविद्यालय के प्रवक्ता एवं पुस्तकालय प्रभारी प्रोफेसर यशवंत वीरोदय ने बताया कि चालू वित्तीय वर्ष में ब्रेल पुस्तकों की संख्या बढ़ाकर 10 हजार करने का लक्ष्य रखा गया है। उन्होंने कहा कि यहां पाठ्य पुस्तकों के साथ–साथ उपन्यास, नाटक, महापुरुषों की जीवनियां और अन्य साहित्यिक कृतियां भी उपलब्ध हैं, जिससे दृष्टि दिव्यांग पाठकों की शैक्षणिक और बौद्धिक जरूरतों को पूरा किया जा सके।इस पहल के लिए ब्रेल शोध छात्र अजय कुमार द्विवेदी, रोहित, राम सकल, मनोज और अजय सहित अन्य दृष्टि दिव्यांग विद्यार्थियों ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, मंत्री नरेंद्र कश्यप और विश्वविद्यालय प्रशासन के प्रति आभार जताया।

फॉर्म–6 के माध्यम से मतदाता सूची में नाम जुड़वा सकते हैं नाम में त्रुटि, स्थान परिवर्तन अथवा अन्य संशोधन के लिए फॉर्म–8 भरने की सुविधा उपलब्ध : जिलाधिकारी

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर, 06 जनवरी । यूपी के जौनपुर में जिला निर्वाचन अधिकारीध् जिलाधिकारी डॉ. दिनेश चंद्र की अध्यक्षता में मंगलवार को कलेक्ट्रेट सभागार में विभिन्न राजनैतिक दलों के अध्यक्षों, महामंत्रियों एवं प्रतिनिधियों की उपस्थिति में मतदाता सूची का आलेख्य प्रकाशन किया गया। इस अवसर पर जिलाधिकारी ने आलेख्य प्रकाशन से पूर्व जनपद में मतदाताओं की संख्या तथा वर्ष 2026 की अद्यतन मतदाता सूची के संबंध में जानकारी दिया। जिला निर्वाचन अधिकारी डॉ दिनेश चंद्र सिंह ने बताया कि भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशों के क्रम में 06 जनवरी 2026 को मतदाता सूची का आलेख्य प्रकाशन किया गया है। इसके अनुसार विधानसभा क्षेत्र बदलापुर में 3,00,877, शाहगंज में 3,51,222, जौनपुर में 3,45,753, मल्हनी में 3,25,038, मुंगरा बादशाहपुर में 3,30,055, मछलीशहर में 3,43,812, मड़ियाहूं में 2,94,584, जफराबाद में 3,29,641 तथा केराकत में 3,60,326 मतदाता पंजीकृत हैं। इस प्रकार जनपद में आलेख्य प्रकाशन 2026 के अनुसार कुल मतदाताओं की संख्या 29,81,308 है। उन्होंने बताया कि भारत निर्वाचन आयोग द्वारा 01 जनवरी 2026 को अर्हता तिथि मानते हुए विधानसभा निर्वाचन क्षेत्रों की निर्वाचक नामावलियों का संक्षिप्त पुनरीक्षण कार्य किया जा रहा है। आयोग द्वारा चार अर्हता तिथियांकृ01 जनवरी, 01 अप्रैल, 01 जुलाई एवं 01 अक्टूबरकृ निर्धारित की गई हैं। ऐसे पात्र नागरिक जिनकी आयु इन तिथियों को 18 वर्ष पूर्ण हो रही है, वे फॉर्म–6 के माध्यम से मतदाता सूची में नाम जुड़वा सकते हैं। वहीं नाम में त्रुटि, स्थान परिवर्तन अथवा अन्य संशोधन के लिए फॉर्म–8 भरने की सुविधा उपलब्ध है। मतदाता अपना आवेदन म्ब्छम्ज मोबाइल ऐप, http://voters-eci-gov-in पोर्टल अथवा संबंधित बीएलओ के माध्यम से ऑनलाइन कर सकते हैं। जिलाधिकारी ने बताया कि मतदाताओं की सुविधा के लिए जनपद स्तर पर डिस्ट्रिक्ट कंट्रोल सेंटर संचालित है, जहां 24 घंटे सेवा उपलब्ध है। कंट्रोल सेंटर के दूरभाष नंबर 05452—1950 एवं 05452—297950 हैं। भारत निर्वाचन आयोग के कार्यक्रम के अनुसार 06 जनवरी से 06 फरवरी 2026 तक दावे एवं आपत्तियां प्राप्त की जाएंगी। जनपद के 641 मतदेय स्थलों पर बीएलओ द्वारा घर–घर भ्रमण कर आवेदन लिए जाएंगे। जिला प्रशासन सभी पात्र नागरिकों से समयसीमा के भीतर नाम जुड़वाने की अपील करते हुए लोकतांत्रिक व्यवस्था को सशक्त बनाने में सक्रिय सहभागिता का आह्वान किया है।

शांतिपूर्ण कैंडल मार्च निकालकर विरोध प्रदर्शन किया

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ। मध्य प्रदेश में ग्वालियर उच्च न्यायालय के वरिष्ठ अधिवक्ता एवं पूर्व अध्यक्ष श्री अनिल मिश्रा जी की कथित दुर्भावनापूर्ण गिरफ्तारी के विरोध में आज अवध बार एसोसिएशन से जुड़े अधिवक्ताओं द्वारा माननीय उच्च न्यायालय, लखनऊ के बाहर शांतिपूर्ण कैंडल मार्च निकालकर विरोध प्रदर्शन किया गया। अधिवक्ताओं ने इस कार्रवाई को लोकतांत्रिक मूल्यों, न्यायिक स्वतंत्रता एवं अधिवक्ता सम्मान पर सीधा प्रहार बताते हुए कड़ा विरोध दर्ज कराया। कैंडल मार्च के माध्यम से अधिवक्ताओं ने श्री अनिल मिश्रा जी की तत्काल रिहाई तथा उनके विरुद्ध दर्ज सभी मामलों को वापस लिए जाने की माँग की। यह कैंडल मार्च माननीय उच्च न्यायालय, लखनऊ के गेट संख्यादृ 6 से प्रारंभ होकर उमेश चन्द्र चौराहा तक निकाला गया। कार्यक्रम का संयुक्त नेतृत्व शशांक अग्निहोत्री, अधिवक्ता, उच्च न्यायालय, लखनऊ एवं राजेश्वर प्रसाद मिश्र, अधिवक्ता, उच्च न्यायालय, लखनऊ द्वारा किया गया। प्रदर्शन के दौरान अधिवक्ताओं ने शांतिपूर्ण ढंग से अपनी एकजुटता प्रदर्शित करते हुए यह संदेश दिया कि अधिवक्ता समाज किसी भी प्रकार के अन्याय, उत्पीड़न एवं दुर्भावनापूर्ण कार्रवाई के विरुद्ध संगठित होकर संघर्ष करता रहेगा। अधिवक्ताओं ने केंद्र एवं राज्य सरकार से मामले में शीघ्र हस्तक्षेप कर न्याय सुनिश्चित करने की माँग की तथा न्यायप्रिय नागरिकों से भी इस संघर्ष में नैतिक समर्थन देने की अपील की।उक्त जानकारी समाजसेविका रागिनी अवस्थी ने दी।

संक्षिप्त खबरें

जनार्दन पांडे 'बबलू' बने सपा व्यापार सभा के राष्ट्रीय सचिव

अयोध्या। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव की अनुमति से पार्टी की व्यापार सभा की राष्ट्रीय कार्यकारिणी का विस्तार किया गया है।इसके तहत अयोध्या के साहबगंज निवासी जनार्दन पांडे 'बबलू' को समाजवादी पार्टी व्यापार सभा का राष्ट्रीय सचिव नियुक्त किया गया है।नियुक्ति की खबर से पार्टी नेताओं और कार्यकर्ताओं में उत्साह है। जनार्दन पांडे लंबे समय से समाजवादी विचारधारा से जुड़े रहकर संगठन को मजबूत करने में सक्रिय भूमिका निभाते रहे हैं। उन्होंने नेतृत्व के प्रति आभार जताते हुए कहा कि सौंपे गए दायित्व का निर्वहन पूरी निष्ठा से करेंगे। उनकी नियुक्ति पर जनपद भर में बधाइयों का सिलसिला जारी रहा।

राजकीय जिला उद्यान परिसर में कोषागार मे तैनात कर्मचारी के सेवानिवृत होने पर सम्मान समारोह का हुआ आयोजन

(राजन तिवारी संवाददाता अयोध्या धाम)

अयोध्या। पेंशनर्स एसोसिएशन के तत्वाधान में मुख्य कोषाधिकारी अयोध्या ममता सिंह की अध्यक्षता में राजकीय जिला उद्यान परिसर में कोषागार अयोध्या के सेवानिवृत्ति कर्मचारी अमरनाथ सिंह के सम्मान में कार्यक्रम आयोजित किया गया।इस मौके पर विभिन्न पेंशनर्स एसोसिएशन के विभिन्न पदाधिकारी,मुख्य कोषाधिकारी अयोध्या ममता सिंह एवं

कोषागार अयोध्या के विभिन्न कर्मचारियों द्वारा अमरनाथ को सम्मानित किया गया तथा अमरनाथ के सम्मान में विभिन्न पेंशनर एसोसिएशन के विभिन्न पदाधिकारी गण तथा कोषागार अयोध्या के सभी कर्मचारियों द्वारा अमरनाथ के सम्मान में गीत, कविता व अपने अपने विचार प्रस्तुत किए गए। उनके स्वस्थ जीवन तथा दीर्घायु होने की कामना के साथ–साथ उनके द्वारा जनहित में किए गए कार्यों की भी भूरि भुरि प्रशंसा की गई।मुख्य कोषाधिकारी अयोध्या ममता सिंह जी ने अमरनाथ जी के कार्यशैली की प्रशंसा करते हुए उनसे आगे भी जनहित में पेंशनर्स को ऐसे ही अपने अनुभव से लाभ पहुंचाते रहने की अपेक्षा की एवं पेंशनर्स एसोसिएशन के सदस्यों को आश्वास्त किया की आप लोगों के साथ पूरा कोषागार परिवार सहयोग के लिए सदैव तत्परता के साथ खड़ा रहेगा।

कमिश्नर की अध्यक्षता मे अयोध्या विकास प्राधिकरण बोर्ड बैठक सम्पन्न

(डाक्टर अजय तिवारी जिला संवाददाता)

अयोध्या। मंडलायुक्त अध्यक्ष राजेश कुमार की अध्यक्षता में अयोध्या विकास प्राधिकरण की 89 वीं बोर्ड बैठक सम्पन्न हुई।बोर्ड बैठक में सदस्य के रुप मे गिरीशपति त्रिपाठी महापौर नगर निगम अयोध्या,निखिल टीकाराम फुण्डे, जिलाधिकारी अयोध्या,अनुराज जैन उपाध्यक्ष, अयोध्या विकास प्राधिकरण,हेम सिंह सचिव, अयोध्या विकास प्राधिकरण,अधिशासी अभियन्ता, सरयू नहर खण्ड अयोध्या, सिटी मजिस्ट्रेट गोण्डा, सहयुक्त नियोजक, अयोध्या,गजेन्द्र सिंह ए०डी० अयोध्या, शासन द्वारा नामित सदस्य परमानन्द मिश्र,कमलेश श्रीवास्तव व अन्य। अध्यक्ष महोदय द्वारा बैठक में सर्वप्रथम पूर्व बोर्ड बैठक की अनुपालन आख्या का अवलोकन किया गया। अयोध्या महायोजना–2031 में शासन द्वारा कतिपय

बिन्दुओं पर उठायी गयी आपत्तियों के निराकरण हेतु महायोजना–2031 प्रस्ताव बोर्ड के समक्ष विचारार्थ प्रस्तुत किया गया। माझा जमथरा में वैदिक वेलनेश सेन्टर ध म्यूजियम ऑफ इण्डियन टेम्पल की स्थापना हेतु शासन द्वारा उठायी गयी आपत्तियों का निराकरण करते हुए सर्व सम्मत्त से स्वीकृति प्रदान की गयी है। शासन द्वारा उ०प्र० विकास प्राधिकरण भवन निर्माण एवं विकास उपविधियों–2025 में संशोधनो को जारी शासनादेश 21नवंबर को बोर्ड द्वारा अंगीकृत किया गया।इसी प्रकार विकास प्राधिकरणों एवं आवास विकास परिषद की कास्टिंग के लिए शासन द्वारा जारी आदर्श गाइड लाइन दिनांक 25 दिसंबर को अंगीकृत किया गया।प्राधिकरण के वित्तीय वर्ष–2025–26 के बजट में कतिपय मदों के पुर्नविनियोग के प्रस्ताव को सर्वसम्मति से स्वीकृति प्रदान की गयी है। बोर्ड ध अध्यक्ष महोदय की अनुमति से शासन द्वारा विकास शुल्क के लिए जारी शासनादेश दिनांक 02 जनवरी 2026 के अनुसार अयोध्या के लिए निर्धारित रू0 755/– प्रति वर्ग मी० की दर से लिये जाने हेतु शासनादेश अंगीकृत किया गया।

एमजी विंडसर 2025 में रही भारत की सबसे अधिक बिकने वाली इलेक्ट्रिक कार

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ। जेएसडब्लू एमजी मोटर इंडिया की एमजी विंडसर साल 2025 में भारत की सबसे अधिक बिकने वाली इलेक्ट्रिक कार बन गई है। एमजी विंडसर ने ऑटोमोटिव बाजार में काफी मजबूत मूल्य प्रस्ताव पेश किया है तथा यह अपने सेगमेंट में मार्केट लीडर के रूप में स्थापित हो गई है। साल 2025 में इस कार की 46,735 यूनिटें बिकी हैं। एमजी विंडसर ने सफलता का एक ऐसा मानक स्थापित कर दिया है, जो इससे पहले भारत के इलेक्ट्रिक कार बाजार में अभी तक कोई भी ऑटो निर्माता कंपनी हासिल नहीं कर पाई है। इस उपलब्धि के बारे में अनुराग महरोत्रा, मैनेजिंग डायरेक्टर, जेएसडब्लू एमजी मोटर इंडिया ने कहा, ''विंडसर आधुनिक समय का एक बेहतरीन ऑटोमोटिव चमत्कार है, जिसकी टेक्नोलॉजी तथा व्यवहारिक और भविष्य पर केंद्रित डिजाईन ने इलेक्ट्रिक कारों के सेगमेंट में नए मानक स्थापित कर दिए हैं। इसने इलेक्ट्रिक कारों की खरीद को बढ़ाने में बहुमूल्य योगदान दिया है। शंका के कारण इलेक्ट्रिक कार खरीदने में विलंब कर रहे लोगों ने विश्वास के साथ यह कार खरीदी है। भारत में इलेक्ट्रिक कारों के क्षेत्र में आ रही क्रांति में यह एक ट्रेंडसेटर के रूप में स्थापित हो गई है। विंडसर कार खरीदने के बाद ग्राहक ब्रांड के पक्के समर्थक बनते जा रहे हैं। वो अपने साथियों को इलेक्ट्रिक कार खरीदने के लिए प्रेरित कर रहे हैं। मुझे खुशी है कि विंडसर साल 2025 में भारत की सबसे अधिक बिकने वाली इलेक्ट्रिक कार बन गई है। हमें आशा है कि साल 2026 हमारे लिए और भी अधिक यादगार होगा।'' एमजी विंडसर भारत की सबसे अधिक बिकने वाली इलेक्ट्रिक कार है। यह कार परिवारों को बहुत अधिक आकर्षित करती है। इसमें काफी विशाल केबिन स्पेस, बेहतर कम्फर्ट और शानदार फीचर्स मिलते हैं। ड्राईविंग के मामले में यह असाधारण अनुभव प्रदान करती है। आज यह भारत की सबसे अधिक चहेती और सबसे अधिक पुरस्कार जीतने वाली इलेक्ट्रिक कार है। जेएसडब्लू एमजी मोटर इंडिया ने साल 2025 में 19 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की है। वित्तवर्ष 2024 के मुकाबले कंपनी की इलेक्ट्रिक कारों की बिक्री में 111 प्रतिशत की जबरदस्त बढ़त दर्ज हुई है। एमजी की इलेक्ट्रिक कारों की मांग न केवल टियर 1 शहरों में दर्ज हुई, बल्कि नॉन–मेट्रो और विकसित होते हुए बाजारों में भी यह लगातार बढ़ी। इससे प्रदर्शित होता है कि भारतीय सस्टेनेबल मोबिलिटी समाधान अपनाने के लिए उत्सुक हैं। एमजी विंडसर भारत की पहली इंटेलिजेंट सीयूवी है। यह सेडान के आराम के साथ एसयूवी की बहुउपयोगिता प्रदान करती है। बैटरी एज ए सर्विस (बी.ए.ए.एस) के साथ इसका शुरुआती मूल्य 9.99 लाख रुपये 3.9 रुपयेधकिलोमीटर' है। यह 100 किलोवॉट (136पीएस) पॉवर एवं 200एनएम टॉर्क उत्पन्न करती है। ग्राहकों की सुविधा के अनुसार एमजी विंडसर दो बैटरी पैक विकल्पों में उपलब्ध है। 38 किलोवॉटघंटा का बैटरी पैक 332 किलोमीटर' की रेंज प्रदान करता है, वहीं इसका प्रो वैरिएंट, 52.9 किलोवॉटघंटा बैटरी पैक के साथ आता है, जो 449 किलोमीटर' की रेंज प्रदान करता है।

संकष्टी गणेश चतुर्थी आज,माघ कृष्ण चतुर्थी पर सर्वार्थ अमृत सिद्ध योग का संयोग

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। यूपी के जौनपुर में सनातन धर्म और हिन्दुओं का प्रसिद्ध पर्व माघ मास की कृष्ण पक्ष की चतुर्थी तिथि मंगलवार को संकष्टी गणेश चतुर्थी मनाई जा रही है। यह व्रत प्रीति योग में सर्वार्थ अमृत सिद्ध योग के किया जाएगा। आज चंद्रोदय रात्रि 8रू45 बजे से 9रू30 बजे तक होगा इस दौरान व्रती माताएं चंद्रमा को अर्घ्य देने के बाद व्रत का पारण करेगी।इस संबंध में बात करते हुए विद्वान ज्योतिषाचार्य डॉ. अखिलेश मिश्रा ने बताया कि इस दिन व्रती महिलाएं दिनभर उपवास रखती हैं। चंद्रोदय से पूर्व स्नान कर नए वस्त्र धारण किए जाते हैं। खुले आसमान के नीचे गोबर से लीपकर चौक पूरा जाता है, जहां पूजन की सभी वस्तुएं रखी जाती हैं।मान्यता है कि इस व्रत के करने से संकटों से मुक्ति मिलती है।महिलाएं अपने पुत्रों के दीर्घायु और परिवार की सुख–समृद्धि व मंगल कामना के लिए यह व्रत रखती हैं। यह विघ्न–बाधाओं का निवारण करता है। व्रत से परिवार में धन–धान्य व ऐश्वर्य में वृद्धि होती है। चंद्रोदय के पश्चात चंद्रमा को लाल चंदन, कुश, दूर्वा, फूल, अक्षत और शमी पत्र आदि के साथ तांबे के पात्र से अर्घ्य दिया जाता है। इस व्रत में गौर गणेश और चंद्रमा का विशेष पूजन किया जाता है। पूजन में प्रत्येक वस्तु भगवान गणपति को चार की संख्या में चढ़ाई जाती है। इसमें लाल कंद, फल, गुड़, तिल्ली, पान और तिल शामिल हैं। गुड़, तिल और घृत की आहुति भी दी जाती है। चार बत्तियों वाले दीपक के साथ गणेश आरती की जाती है। गणेश जी की चार कथाएं कही और सुनी जाती हैं। काले तिल, जल और फूल को हाथ में लेकर चार बार प्रदक्षिणा करते हुए अर्घ्य देने का विधान है। व्रत में गुड़, काली तिल और लाल कंद मूली पान के पत्ते का विशेष महत्व बताया गया है। पूजन के पश्चात सिंघाड़े का हलवा, कंद, दूध और चाय आदि का फलाहार किया जाता है।

संक्षिप्त खबरें

कोतवाली नगर मे दर्ज मुकदमे मे फरार चल रहे आरोपियों पर इनाम घोषित

अयोध्या। थाना कोतवाली नगर मे पंजीकृत अभियोग में कुल 03 अपराधी फरार चल रहे है।जिन पर पुलिस ने इनाम घोषित किया हुआ है।कोतवाली नगर पुलिस के मुताबिक थाना कोतवाली नगर पर पंजीकृत मु0अ0सं0 681ध2024 धारा 419,420,467,468,471, 120बी भादवि में फरार चल रहे अपराधी अभिषेक सिंह पुत्र बृजभूषण सिंह निवासी ग्राम सहनवा थाना को0 अयोध्या जनपद अयोध्या व विनय सिंह पुत्र अजय प्रताप सिंह निवासी रायपट्टी थाना खण्डासा जनपद अयोध्या की गिरफ्तारी हेतु 15,000 – 15,000 रुपये का पुरस्कार घोषित किया गया है।वही थाना कोतवाली नगर पर पंजीकृत मु0अ0सं0 87ध2025 धारा 319(2), 318(4), 338, 336(3), 340(2) बीएनएस में फरार चल रहे अपराधी रमाकान्त पाठक पुत्र स्व0 श्याम विहारी पाठक निवासी लक्ष्मणपुर कालोनी थाना को0 अयोध्या जनपद अयोध्या की गिरफ्तारी हेतु 15,000 रुपये का पुरस्कार घोषित किया गया है।

आपरेशन मुस्कान के तहत जीआरपी ने युवती को परिजन से मिलाया

अयोध्या।जीआरपी अयोध्या कैंट रेलवे स्टेशन ने ऑपरेशन मुस्कान के तहत अपने घर से नाराज होकर आई युवती को उसके परिजनों से मिलकर सराहनीय कार्य किया।इस संबंध में थानाध्यक्ष जीआरपी समर बहादुर सिंह ने बताया कि चौकी जीआरपी अयोध्या धाम जंक्शन पर

रविवार को चौकी प्रभारी चन्द्रमणी पाण्डेय कांस्टेबल करूणेश पाण्डेय व महिला कांस्टेबल प्रतिभा कुशवाहा के साथ भ्रमण पर निकले थे।इस दौरान वहाँ दुर्गा पाण्डेय नामक युवती मिली।बताया कि वह अपने घर से नाराज होकर चली आई है।वह वापस अपने घर जाना चाहतीं है। जिस पर उक्त युवती को चौकी अयोध्या धाम कार्यालय लाया गया।जहाँ पर उसके परिजन से संपर्क कर उसे उसके परिजन को सौपा गया।युवती के परिजनों ने जीआरपी पुलिस की भूरि भूरि प्रशंसा किया।

क्रांति का सजा बाजार, गजक के दाम में 20 रुपये प्रतिकिलो की तेजी

भदोही, (संवाददाता)। मकर संक्रांति पर्व के लिए बाजार सज गए हैं। दुकानों पर तिल–गुड़ के लड्डू, गजक की खूब बिक्री हो रही है। दाम की बात करें बीते साल की तुलना में इस साल गजक के दाम में 20 रुपये प्रतिकिलो की तेजी आई है। बीते साल 100 रुपये प्रतिकिलो बिकने वाला गुड़ 120 रुपये प्रतिकिलो बिक रहा है। 14 जनवरी को मकर संक्रांति का पर्व मनाया जाएगा।।

न्याय व्यवस्था पर भरोसा, उमर खालिद व शरजील इमाम को मिलेगा इंसाफ : नदीम जावेद पूर्व विधायक कांग्रेस

यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। यूपी के जौनपुर में मंगलवार को कांग्रेस अल्पसंख्यक मोर्चा के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं जौनपुर सदर के पूर्व विधायक नदीम जावेद ने दिल्ली दंगों के आरोपी उमर खालिद और शरजील इमाम के मामले पर पत्रकारों से बात करते हुए उन्होंने कहा कि इन दोनों के अलावा जामिया मिलिया इस्लामिया के छात्र आंदोलन से जुड़े कई ऐसे लोग थे, जिन्हें बेवजह परेशान किया गया और लंबे समय तक जेल में रखा गया। कई साथियों को बाद में जमानत भी मिली है। नदीम जावेद ने कहा कि कांग्रेस पार्टी और वह स्वयं देश की न्याय व्यवस्था पर पूरा विश्वास रखते हैं। उन्होंने उम्मीद जताई कि आने वाले समय में यदि कहीं अन्याय हुआ है तो देश की व्यवस्था और सिस्टम न्याय देने का काम करेगा। उमर खालिद और शरजील इमाम को लेकर उन्होंने कहा कि उन्हें पूरा भरोसा है कि भविष्य में दोनों को न्याय जरूर मिलेगा और इस पूरी न्यायिक प्रक्रिया का सम्मान किया जाना चाहिए। सुप्रीम कोर्ट को लेकर उठे सवाल पर श्री जावेद ने कहा कि यहां किसी एक अदालत की बात नहीं है, बल्कि न्यायिक प्रक्रिया के कई ऐसे फैसले सामने आ रहे हैं, जिन पर लगातार सवाल खड़े हो रहे हैं। उन्होंने कहा कि केवल राजनीतिक दल ही नहीं, बल्कि देश के कई वरिष्ठ अधिवक्ताओं ने भी न्यायिक प्रक्रिया पर प्रश्न उठाए हैं। विशेष रूप से वरिष्ठ वकील प्रशांत भूषण का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि समय–समय पर न्याय व्यवस्था में सुधार की आवश्यकता पर आवाज उठती रही है। उन्होंने उम्मीद जताई कि आने वाले समय में भारत के ज्यूडिशियल सिस्टम में सुधार होगा और व्यवस्था और अधिक मजबूत बनेगी। जेएनयू में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, गृह मंत्री अमित शाह और सुप्रीम कोर्ट के खिलाफ नारेबाजी के सवाल पर नदीम जावेद ने कहा कि जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय देश का एक प्रतिष्ठित और प्रीमियम संस्थान है। उन्होंने कहा कि उन्हें भी जेएनयू में समय–समय पर काम करने का अवसर मिला है और वे वहां के छात्रों, छात्राओं और प्रोफेसरों के लगातार संपर्क में रहते हैं। जेएनयू से देश को दिशा देने वाले बुद्धिजीवी, लेखक, नेता और पत्रकार निकले हैं, जो न केवल कांग्रेस बल्कि अन्य दलों में भी देश की सेवा कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि जेएनयू हमेशा से देश से जुड़े सवालों को उठाता रहा है। मोदी और शाह पर तंज कसते हुए उन्होंने कहा कि यदि तानाशाही प्रवृत्ति के खिलाफ आवाज उठाई जाती है तो इसका मतलब यह नहीं कि वह देश के खिलाफ है। उन्होंने आरोप लगाया कि "मोदी तेरी कब्र खुदेगी" जैसे नारे भाजपा द्वारा चुनाव के समय फैलाए जाने वाला प्रोपेगेंडा हैं। आज तक यह साबित नहीं हो सका कि यह नारा किसने और कहां लगाया। भाजपा का मूल सिद्धांत जनता का ध्यान मूल मुद्दों से भटकाना है। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे के बयान पर प्रतिक्रिया देते हुए नदीम जावेद ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी की राजनीति झुकने वाली राजनीति है। उन्होंने कहा कि विदेश दौरों पर ऐसा लगता है कि प्रधानमंत्री किसी देश के राष्ट्रपति से गले मिलने के बजाय गले पड़ जाते हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा भारत पर टैरिफ लगाने की धमकी दी गई, जो देश के हितों के खिलाफ है। पश्चिम बंगाल में ममता बनर्जी द्वारा एसआईआर को वापस लेने की मांग पर उन्होंने कहा कि जिस तरह से एसआईआर को लागू किया जा रहा है, उससे समाज के कमजोर वर्गों और भाजपा को वोट न देने वालों के मौलिक अधिकारों पर हमला हो रहा है। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा लोगो को बांटो और राज करो की नीति पर काम कर रही है और समाज को जाति व धर्म के नाम पर बांटने का प्रयास कर रही है।

मेडिकल कालेज जौनपुर में टेढ़े–मेढ़े पैरों से पीड़ित बच्चों के बेहतर इलाज हेतु प्रधानाचार्य सक्रिय एम0यू0 के माध्यम से सुविधा सुदृढ़ होगी

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। मानाथ सिंह स्वशासी राज्य चिकित्सा महाविद्यालय, जौनपुर के आर्थोपेडिक्स विभाग के विभागाध्यक्ष प्रो० उमेश सरोज के प्रयास से अनुष्का फाउंडेशन का एम०यू० प्रस्ताव

प्रधानाचार्य प्रो० आर०बी० कमल को दिया गया। ष्प्रधानाचार्य प्रो० आर०बी० कमल ने अनुष्का फाउंडेशन का एम०ओ०यू० प्रस्ताव प्राप्त करते हुए जिला समन्वयक अंकिता श्रीवास्तव को स्पष्ट रूप से अवगत कराया कि उमानाथ सिंह स्वशासी राज्य चिकित्सा महाविद्यालय जौनपुर का उद्देश्य प्रत्येक मरीज को पारदर्शी, निष्पक्ष एवं उच्चस्तरीय चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराना है। उन्होंने कहा कि मरीजों के साथ किसी भी प्रकार के अवैध लेन–देन अथवा अनुचित प्रक्रिया को कतई बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। यह चेतावनी कॉलेज प्रशासन की ओर से स्पष्ट है। मरीज हित को सर्वोपरि रखते हुए मेडिकल कॉलेज बेहतर से बेहतर सुविधाएँ उपलब्ध कराने के लिए पूर्णतः प्रतिबद्ध है।ष आर्थोपेडिक्स विभाग के विभागाध्यक्ष प्रो० उमेश सरोज ने बताया कि टेढ़े पंजे (क्लबफुट) से पीड़ित बच्चों का हर शुक्रवार मेडिकल कॉलेज में इलाज होता है। यह सुविधा अनुष्का फाउंडेशन, राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन (एनएचएम) और राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम (आरबीएसके) के सहयोग से मिलती है। क्लबफुट से बच्चों को मुक्त कराने के लिए इसके इलाज की प्रक्रिया तीन चरणों में होता है। पहला चरण कास्टिंग (प्लास्टर) का होता है, जिसमें पांच से छह प्लास्टर लगाकर पैर सीधा किया जाता है। हर सप्ताह नया प्लास्टर चढ़ाया जाता है। दूसरे चरण में टेनोटॉमी होती है, जिसमें एड़ी के पीछे छोटा सा चीरा लगाकर पैर को लचीला बनाया जाता है। तीसरे चरण में ब्रसेज की प्रक्रिया होती है। इस चरण में टेनोटॉमी के बाद बच्चों को विशेष जूते पहनाए जाते हैं। अनुष्का फाउंडेशन की जिला समन्वयक अंकिता श्रीवास्तव ने बताया कि बच्चे को यह जूते शुरुआती तीन महीने तक 23 घंटे प्रतिदिन पहनाए जाते हैं। केवल सोते समय एक से दो घंटे निकाले जाते हैं। यह पूरी प्रक्रिया लगभग पांच साल तक चलती रहती है और पूरी तरह से निःशुल्क होती है। राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम के डीईआईसी मैनेजर अमित गौड़ ने बताया कि जौनपुर जनपद में इस सत्र में विभिन्न ब्लॉकों से आए 77 बच्चों का सफल उपचार किया गया। जिले में कुल अभी तक 354 बच्चों का इलाज सफलतापूर्वक किया जा चुका है। इस सत्र में जिलेभर से बड़ी संख्या में बच्चे इलाज के लिए आए और निःशुल्क सुविधा का लाभ उठाया। संदेशः अनुष्का फाउंडेशन की जिला समन्वयक अंकिता श्रीवास्तव ने बताया कि क्लबफुट का समय पर इलाज संभव है। इलाज के बाद बच्चा पूरी तरह से सामान्य जीवन जी सकता है।

सान्ध्य हिन्दी दैनिक देश की उपासना

स्वात्वाधिकारी में. प्रभुदयाल प्रकाशन की ओर से श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक द्वारा देश की उपासना प्रेस, उपासना भवन, धर्मसारी, प्रेमापुर, जौनपुर उत्तर प्रदेश से मुद्रित एवं प्रकाशित।

सम्पादक
श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव
मो0 – 7007415808, 9415034002
Email - deshkiupasanadailynews@gmail.com

समाचार–पत्र से संबधित समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र जौनपुर न्यायालय होगा।